वर्ष : 17 ❖ अंक : 43 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
मंगलवार, 13 सितम्बर 2022

कुछ पार्टियां बंगाल के विकास की कभी बात नहीं करती : ममता 3 | शहर में बाढ़ के बाद जागी कर्नाटक सरकार, बेंगलुरु में तोड़फोड़ शुरु 8

सभी को अपनी परंपराओं की करनी चाहिए रक्षा : राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 सितम्बर । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने आज से शुरू हुए 'सिक्किम की मौखिक आख्यानों के अनुवाद: सह-निर्माण, आलोचना एवं सहयोग' विषयक पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर शिरकत की। तादोंग स्थित पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग के सभागार में शुरू हुई इस कार्यशाला में सिक्किम विश्वविद्यालय के उप-कुलपति प्रो. अविनाश खरे और अंग्रेजी विभाग प्रमुख रॉसी चामलिंग के अलावा अन्य अतिथिगण, फैकल्टी सदस्य, विद्यार्थीगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

सिक्किम विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, नयी दिल्ली के सहयोग से आयोजित यह कार्यशाला 16 सितम्बर तक चलेगी। इस दौरान देश भर के स्कॉलर्स, अनुवादक, विभिन्न कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। इनमें यादवपुर विश्वविद्यालय, सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज, नर बहादुर भंडारी डिग्री कॉलेज, तेजपुर विश्वविद्यालय, एनआईटी पटना, आचार्य सुकुमार सेन महाविद्यालय, पटना कॉलेज, पेदोंग गवर्नमेंट कॉलेज, बिरसा मुंडा कॉलेज, असम विश्वविद्यालय, भवानीपुर एजुकेशनल सोसाइटी कोलकाता, विश्व भारती विश्वविद्यालय एवं अन्य कॉलेज व विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधिगण शामिल हैं।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में राज्यपाल गंगा प्रसाद ने इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन हेतु सिक्किम विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग को धन्यवाद देते हुए इसकी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि लंबे समय के इंतजार के बाद अब सिक्किम विश्वविद्यालय बनकर तैयार है और अगले महीने से नये शैक्षणिक सत्र भी शुरू होने वाला है। उन्होंने बताया कि 17 अक्टूबर को भूटिया, लिम्बू और लेप्चा विभागों को दक्षिण सिक्किम के यांगयांग के नये परिसर में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। उन्होंने इसके लिए पहल करने वाले संबंधित निकायों के अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

राज्यपाल ने कहा कि भारत विश्व का एकमात्र ऐसा देश है जहां विभिन्न गांवों का अपना लोकनृत्य, लोकभाषा आदि है। राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि सभी को अपनी परंपरा को नहीं भूलनी चाहिए और उनकी रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोग अपनी परंपराओं की रक्षा कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के महत्व पर भी प्रकाश डाला। वहीं उन्होंने छात्रों से समाज, राज्य और राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान देने का आग्रह भी किया।

इस दौरान सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा राज्यपाल के कर-कमलों से नेपाली साहित्य अकादमी की सलाहकार बोर्ड के संयोजक डॉ. जीवन नामदुंग, साहित्यकार मन प्रसाद सुब्बा, जादवपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. सायंतन दासगुप्ता और कटक श्रीश्री विश्वविद्यालय के अनुवादक केंद्र के निदेशक रिन्दोन कुंडू को सम्मानित भी किया गया।

थांगु में स्नो लेपर्ड की प्रतिमा स्थापित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 सितम्बर । उत्तर सिक्किम के आखिरी रिहाइशी गांव थांगु में पांग ल्हाब्सोल महोत्सव के दौरान स्नो लेपर्ड की एक प्रतिमा स्थापित की गयी है। इसका उद्देश्य उत्तर सिक्किम के इस लुप्तप्राय: जाति के पशु के प्रति जागरुकता फैलाना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजरवेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) द्वारा इस स्नो लेपर्ड को विरल प्रजाति के रुप में घोषित किया जा चुका है। ऐसे में उत्तर सिक्किम के ऊंचाई वाले स्थानों थांगु एवं गुरुदोंगमार इलाकों में पाये जाने वाले इस जानवर के महत्व के प्रति पर्यटकों एवं आमलोगों को जागरूक करने की दिशा में सेक्योर हिमालया प्रोजेक्ट के तहत यह प्रतिमा स्थापित की गयी है। इसे लाचेन टूरिज्म डेवलपमेंट कमिटी तथा लाचेन जुम्सा के सहयोग से निर्मित किया गया है। पांग ल्हाब्सोल महोत्सव के दौरान लाचेन पाइपंस (ग्रामीणों के प्रमुख), कंचनजंघा नेशनल पार्क तथा मंगन वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में इसका उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर थांगु मोनेस्ट्री के संन्यासियों द्वारा धार्मिक रीति-रिवाज से पूजा-अर्चना भी की गयी।

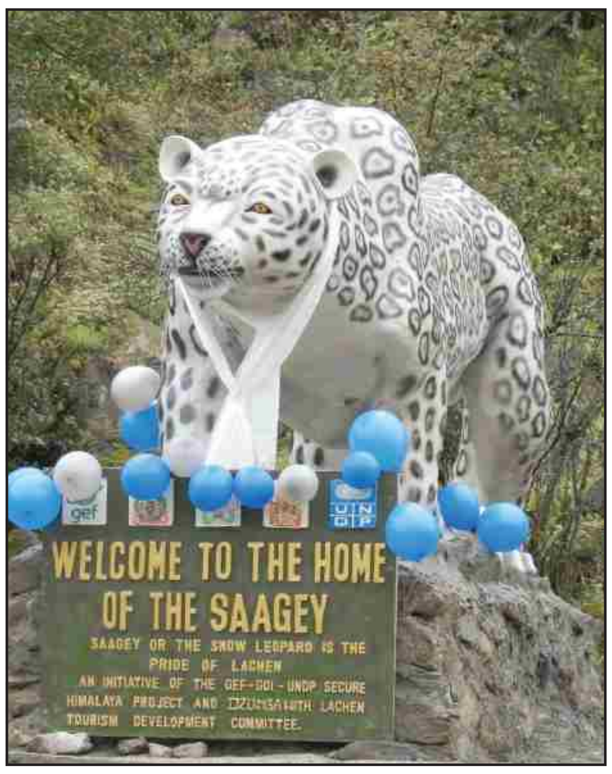

वहीं इस दौरान लाचेन पाइपंस तथा लाचेन जुम्सा द्वारा 20 डुक्पाओं में जैकेटों, उच्च गुणवत्ता के बूट और सोलर ऊर्जा चालित लाइटें प्रदान की गयीं। इसके साथ ही याक डुक्पाओं को स्नो लेपर्ड के चित्र वाले मैनुअल भी प्रदान किये गये। वहीं उन्हें क्षेत्र की जैव विविधता तथा इससे जुड़े खतरों से भी अवगत कराया गया।

पंचायत चुनाव को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

अनुगामिनी का.सं.

नामची, 12 सितम्बर । आसन्न पंचायत चुनाव को लेकर आज नामची जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में एक तैयारी बैठक का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी एम. भरणी कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में एडीसी अनंत जैन, नामची एडीसी (डेव) डॉ. सीपी राई, रावांग्ला एडीसी (डेव) सुनील मोथे के अलावा एसडीएम एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान जिला शासक ने पंचायत चुनाव को लेकर जिलास्तरीय नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करते हुए उन्हें विभिन्न जिम्मेदारियां प्रदान की। साथ ही उन्होंने नामांकन टीम का गठन करते हुए नोडल अधिकारियों से आवश्यक सेक्टर मजिस्ट्रेटों की संख्या तय करने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने मतदान केंद्रों में नियुक्त अधिकारियों की जरूरतों तथा प्रशिक्षण सत्रों की तिथि एवं स्थान पर चर्चा की। डीसी ने सभी नोडल अधिकारियों से पंचायत चुनाव के सुचारू आयोजन सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

तीन दिवसीय कला कार्यशाला आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

पाकिम, 12 सितम्बर । 'द क्रिएटिवीटी स्टेशन' की थीम के साथ माझीटार गवर्नमेंट सेकेण्डरी स्कूल में गत 9 से 11 अक्टूबर तक तीन दिवसीय कला कार्यशाला का आयोजन हुआ। रंगपो नगर पंचायत के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कला के क्षेत्र में फोकस को ध्यान रखते हुए किया गया। कार्यशाला में सिक्किम के प्रसिद्ध कलाकार पारसमणि राई, सागर सुब्बा, दिवाकर लामिछाने, सेवोन राई, शिवा छेत्री, अर्पण छेत्री, सुश्री अनूपा राई आदि शामिल हुए।

कार्यशाला के दौरान मेंटर्स ने प्रस्तुति एवं परिचर्चा सत्र के अलावा क्ले मॉडलिंग, पेंटिंग, ड्रॉइंग तथा स्केचिंग प्रदर्शनों में भाग लिया। कार्यक्रम में माझीटार एसएस, डुगा एसएस, बोरदांग एसएस तथा रंगपो चानटार एसएस के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। वहीं मेंटर्स ने प्रतिभागियों को फाइन आर्ट्स में करियर काउंसलिंग भी की और इस क्षेत्र में उपलब्ध स्कॉलरशिप के बारे में बताया।

कार्यक्रम के समापन समारोह में दक्षिण जिला संयुक्त निदेशक केबी छेत्री ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गयी कलाकृतियों की सराहना की और इस प्रकार की कलाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं विद्यार्थियों ने कार्यक्रम के आयोजन हेतु स्कूल को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मेंटर दिवाकर लामिछाने ने इस प्रकार के कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को फाइन आर्ट्स के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया।

वहीं स्कूल की प्रधान शिक्षिका प्रेरणा लामा ने एनईपी 2020 के महत्व के बारे में बोलते हुए इसे विद्यार्थियों के कौशल विकास वाला बताया। वहीं उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग हेतु आरएनपी, इंटास प्रेसीडेंट संजीत खाती, अन्नपूर्णा मेस की सोनी गुरुंग आदि को धन्यवाद दिया।

छात्रों को खती के लिए प्रेरित करना जरूरी : मंत्री शर्मा

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 12 सितम्बर । कृषि मंत्री लोकनाथ शर्मा ने सरकारी सीनियर का स्कूल, रेनाक दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने स्थायी आजीविका और उद्यमिता के लिए कृषि और पशुधन खेती के महत्व पर छात्रों को संबोधित किया।

उन्होंने जीवन में लक्षित लक्ष्यों को अपनाने के लिए गुणात्मक मानवीय विशेषताओं के महत्व को स्पष्ट किया और पुष्टि की कि छात्रों को प्रेरित करके लंबे समय में कृषि में उल्लेखनीय परिवर्तन को व्यवहार में लाया जा सकता है।

उन्होंने कृषि खेती की अवधारणा को रेखांकित किया और जीवन रक्षक पेशे पर मानव समाज की एकमात्र निर्भरता को रेखांकित किया और कहा कि छात्रों को कम उम्र से कृषि के प्रति प्रेरित करना होगा जिससे निश्चित रूप से वे भविष्य में बड़े पैमाने पर कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देंगे।

उन्होंने स्कूल प्रशासन से साप्ताहिक आधार पर कम से कम एक बार कृषि खेती पर एक व्यावसायिक कक्षा आयोजित करने का आग्रह किया और अनुभवजन्य अध्ययन और क्षेत्र प्रथाओं के लिए एक ग्रीन हाउस और एक पानी की टंकी प्रदान करने की योजना की घोषणा की। उन्होंने कृषि गतिविधियों को शुरू करने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर तीस हजार रुपये की बीज राशि भी सौंपी।

इसके अलावा, उन्होंने छात्रों को खेती के तरीकों में खुद को शामिल करके मिट्टी के साथ निकटता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री शर्मा ने स्कूल की अभिनव गतिविधियों की सराहना की और मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा की गई विभिन्न उपलब्धियों को रेखांकित किया।

प्रधानाचार्य श्री एसके प्रधान ने स्वागत भाषण दिया और स्कूल की उपलब्धियों की जानकारी दी।

टी-शर्ट विवाद पर अशोक गहलोत का पलटवार, बोले- 80 हजार का मफलर पहनते हैं गृह मंत्री शाह

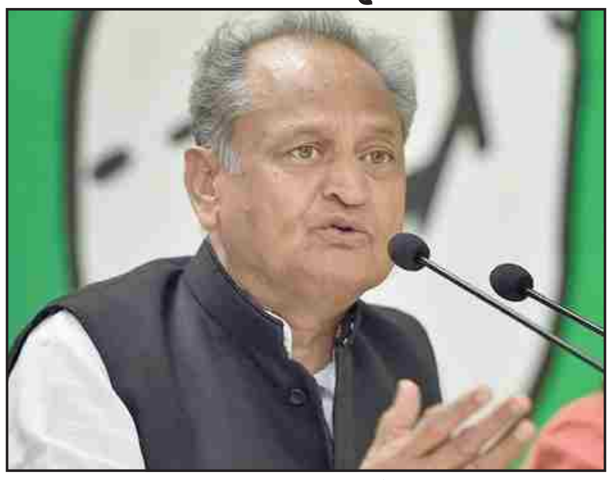

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (एजेंसी)। राहुल गांधी की 'महंगी' टी शर्ट को लेकर भाजपा नेताओं के सवाल उठाए जाने पर पलटवार करते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को दावा किया कि गृह मंत्री अमित शाह के मफलर की कीमत 80,000 रुपये है, जबकि भाजपा नेता ढाई-ढाई लाख रुपये के चश्मे पहनते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा' काफी कामयाब हो रही है और इससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता बौखला गए हैं।

गहलोत ने चूरू में संवाददाताओं से कहा, (भाजपा नेता) एक टी-शर्ट को लेकर बातें कर रहे हैं, जबकि इनके चश्मे ढाई-ढाई लाख रुपये के हैं ... इनका मफलर 80000 रुपये का है जो हमारे गृह मंत्री लगाते हैं ... तो इस प्रकार की बातें बोलकर ये लोग क्या चाहते हैं? टी-शर्ट पर राजनीति कर रहे हैं ये लोग।''

गौरतलब है कि राहुल गांधी द्वारा यात्रा के दौरान कथित तौर पर बरबेरी ब्रांड की महंगी टी शर्ट पहनने को लेकर भाजपा उन पर निशाना साध रही है, जिसकी कीमत 41,000 रुपये से अधिक बताई जाती है।

गहलोत ने यात्रा के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, (यात्रा) बहुत कामयाबी के साथ चल रही है। जनता से बहुत शानदार प्रतिक्रिया मिली है। राहुल गांधी जो संदेश जो दे रहे हैं जनता उसे अपना रही है।'' गहलोत ने कहा, प्रधानमंत्री हों या गृह मंत्री या भाजपा के अन्य नेता, सभी भारत जोड़ो यात्रा से बौखलाकर गांधी पर हमले कर रहे हैं।'' उनके पास कोई दूसरा काम नहीं है क्या? ये लोग टी-शर्ट पर राजनीति कर रहे हैं।''

जैकलीन फर्नांडिस के नाम जारी हुआ एक और नया समन, 14 सितंबर को होगी पेशी

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (एजेंसी)। जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें कम होने का नाम नही ले रही, दरअसल, हाल ही में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोर्ट के चक्कर लगा रही जैकलीन से सोमवार को दिल्ली पुलिस ने पूछताछ करना थी, जिसे टाल दिया गया। अब इस मामलें में बड़ा अपडेट सामने आया है, अभिनेत्री जैकलीन ने किसी वजह से पूछताछ को रीशेड्यूल करने की अपील की थी।

जिस पर मुहर लगाते हुए कोर्ट ने इन्वेस्टिगेशन को सोमवार 12 सितंबर से टाल कर बुधवार 14 सितंबर कर दिया है। अब दिल्ली पुलिस ने 14 सितंबर के लिए एक्ट्रेस को नया समन जारी किया है। जिसके तहत जैकलीन को के सामने 14 तारीख को पेशी होनी है।

जैकलीन फर्नांडिस को दिल्ली पुलिस ने कथित तौर पर ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपए के रंगदारी मामले में जांच में शामिल होने के लिए उन्हें समन भेजा है। हालांकि, ये पूछताछ का सिलसिला आज यानी 12 सितंबर को ही होना था, लेकिन, एक्ट्रेस ने अपने कुछ पर्सनल काम के चलते आज इस कार्रवाई में शामिल नहीं हो पाईं, इसीलिए उनको नया समन 14 तारीख के लिए भेजा गया है।

रिपोर्ट्स की मुताबिक यह तीसरी बार दिल्ली पुलिस ने जैकलीन को समन जारी किया है, पेशी के लिए जैकलीन के मना करने पर भी दिल्ली पुलिस की आर्थिक शाखा के एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि जैकलीन को 12 सितंबर की सुबर 11 बजे मंदिर मार्ग ईओडब्ल्यू के ऑफिस में पूछताछ के लिए पेश होना था। लेकिन उसके एक दिन पहले ही उनकी तरफ से इस बात का हवाला दिया गया कि वो पेश नहीं हो पाएंगी, कारण पूछने पर एक्ट्रेस ने कुछ काम की व्यस्तता बताया कि अब हमारी तरफ से जल्द ही एक नया समन जारी किया जाएगा। नए समन में नई तारीख पेश होने के लिए दी जाएगी।

कांग्रेस ने आरएसएस को लेकर किया विवादित ट्वीट, संघ बोला- उनके बाप-दादा ने भी रोकने की कोशिश की

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह कार्यवाह मनमोहन वैद्य ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस नफरत के जरिए लोगों को जोड़ना चाहती है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी की पिछली पीढ़ियों के मन में भी संघ के लिए प्रति घृणा थी।

कांग्रेस ने सोमवार को खाकी निक्कर में आग लगी होने की एक तस्वीर ट्वीट की। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले तक खाकी निक्कर आरएसएस का ड्रेसकोड' हुआ करता था। कांग्रेस ने खाकी निक्कर में आग लगी होने की तस्वीर साझा करने के साथ ही लिखा, नफरत की बेड़ियों से देश को मुक्त कराना है और भाजपा-आरएसएस द्वारा किए गए नुकसान की भरपाई करना है। एक-एक कदम करके हम अपने लक्ष्य तक पहुंचेंगे।'' वैद्य ने यहां आरएसएस की तीन दिवसीय समन्वय बैठक के समापन के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि समाज में हिंदुत्व के लिए समर्थन बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, 'वे (कांग्रेस) नफरत के जरिए लोगों को जोड़ना चाहते हैं। क्या आप नफरत के जरिए भारत को एकजुट कर सकते हैं? लंबे समय से उनके मन में हमारे लिए नफरत है। उनकी पिछली पीढ़ियों (बाप-दादा) ने भी आरएसएस को रोकने की कोशिश की, लेकिन हम बढ़ते रहे क्योंकि हमें लोगों का समर्थन प्राप्त था।'

आरएसएस की अखिल भारतीय समन्वय बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत, सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबाले और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित अन्य नेता शामिल हुए।

वसीम रिजवी को सुप्रीम कोर्ट से राहत, सशर्त मिली जमानत

देहरादून, 12 सितम्बर (एजेंसी)। हेट स्पीच मामले में हरिद्वार जेल में बंद यूपी शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र त्यागी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। सोमवार को कोर्ट ने सुनवाई के बाद उनकी सशर्त जमानत मंजूर कर दी है। जस्टिस अजय रस्तोगी और जस्टिस बीवी नागराथना की खंडपीठ ने रिजवी को सशर्त जमानत दी है।

सुनवाई के दौरान यह बात भी सामने आई थी कि सह-आरोपी को पहले ही जमानत दी जा चुकी है और पुलिस चार्जशीट भी दाखिल कर चुकी है।

आपको बता दें कि 29 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने हरिद्वार हेट स्पीच मामले में आरोपी रिजवी को चिकित्सा आधार पर 17 मई को तीन महीने के लिए दी गई अंतरिम जमानत को आगे बढ़ाने से साफ इंकार कर दिया था। रिजवी को (02 सितंबर) आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था, जिसपर रिजवी ने आत्मसमर्पण किया था। आत्मसमपर्ण के बाद कोर्ट के आदेश पर उन्हें अब जिला जेल में शिफ्ट किया गया था। रिजवी को इससे पहले भी स्वास्थ्य कारणों से सशर्त जमानत दी चुकी है

वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण त्यागी के सरेंडर करने के बाद काली सेना प्रमुख स्वामी आनंद स्वरूप ने जेल में वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण त्यागी की जान को खतरा बताया था।

उन्होंने जेल और जिला प्रशासन के साथ-साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से जेल के अंदर जितेंद्र नारायण त्यागी को सुरक्षा देने की मांग की है। इससे पहले भी रिजवी ने अपनी जान का खतरा बताकर जेल में सुरक्षा की मांग की थी।

जम्मू कश्मीर का हर आम आदमी आतंकवाद के खिलाफ है : सिन्हा

मेरठ (उत्तर प्रदेश), 12 सितम्बर (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश के जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद से परेशान जम्मू-कश्मीर का आम आदमी अब ना सिर्फ आतंकवाद के खिलाफ है बल्कि वह अब दहशतगर्दी के विरुद्ध पुलिस प्रशासन की मदद कर रहा है।

सिन्हा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित दुष्यंत स्मृति सम्मान समारोह में भाग लेने से पूर्व गांव टिकरी स्थित गुरुकुल आश्रम में कुलाधिपति स्वामी विवेकानन्द सरस्वती महाराज से मुलाकात करने के बाद संवाददताओं से बातचीत कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाये जाने बाद से जम्मू कश्मीर के हालात में परिवर्तन आया है। सिन्हा ने कहा कि अभी हाल ही में आजादी के अमृत महोत्सव में जिस तरह से जम्मू-कश्मीर के लोगों ने बढ़कर हिस्सा लिया वह बदलाव को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

एक सवाल के जवाब में सिन्हा ने कहा, 'हमारा मकसद कश्मीर के लोगों के साथ मिलकर, उनके दुःख, दर्द को साझा करके जम्मू-कश्मीर को देश का सर्वश्रेष्ठ विकसित राज्य बनाना है।'

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बाद में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित हुए दुष्यंत स्मृति सम्मान समारोह पहुंचे। वहां उन्होंने मुख्य अतिथि के रुप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 के खत्म होने के बाद आतंकवाद की कमर तोड़ दी है और उसके पूरे इकोसिस्टम्स' पर प्रहार हो रहा है।

सिन्हा ने कहा, 'एक जमाना था, भारत सरकार के विमान में शांति के लिए आतंकवादियों को लाया जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। पहले शांति खरीदी जाती थी और अब शांति स्थापित की जाती है। अब कश्मीर में किसी निर्दोष की हत्या नहीं होती है।'

उन्होंने दावा किया कि अब आतंकवाद का खात्मा होने जा रहा है। सिन्हा ने कहा कि पिछले सात महीने में 147 आतंकवादी, सुरक्षाबलों के हाथों मारे गए हैं जिनमें 42 विदेशी आतंकवादी थे।

'भारत जोड़ो यात्रा' कांग्रेस को मजबूत करने के लिए : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (एजेंसी)। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि उसकी मजबूती विपक्षी एकजुटता का स्तंभ है तथा उसके मजबूत हुए बिना विपक्ष की एकता संभव नहीं है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि भारत जोड़ो' यात्रा विपक्ष की एकजुटता के लिए नहीं, बल्कि कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मुझे खुशी है कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद यह हाथी (कांग्रेस) जग गया है, हाथी चल रहा है। सभी पार्टियां इस ओर देख रही हैं कि कांग्रेस क्या कर रही है।

रमेश ने कहा कि विपक्ष की एकता तभी संभव होगी जब कांग्रेस मजबूत होगी। विपक्ष की एकता का यह मतलब नहीं है कि कांग्रेस कमजोर हो... यह यात्रा विपक्षी एकता के लिए नहीं, कांग्रेस को मजबूत करने के लिए है। हम प्राथमिकता दे रहे हैं कि कांग्रेस को और मजबूत तथा प्रभावशाली बनाया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि यह यात्रा आज कुल 102 किलोमीटर की दूरी तय कर लेगी। इस यात्रा की औपचारिक शुरुआत सात सितंबर को कन्याकुमारी से हुई थी और पदयात्रा आठ सितंबर से आरंभ हुई।

सुप्रीम कोर्ट में सीएए के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई टली, 19 सितंबर को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सीएए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं सहित 200 से अधिक जनहित याचिकाओं पर सुनवाई टाल दी गई है। सुप्रीम कोर्ट इन मामलों पर 19 सितंबर को सुनवाई करेगा। यह सभी याचिकाएं सीजेआई जस्टिस यू यू ललित और जस्टिस रविन्द्र भट्ट की मौजूदकी में होंगी।

प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित की अध्यक्षता वाली पीठ ने आज सीएए की वैधता को चुनौती देने वाली इन सभी 200 याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 19 सतिंबर की तारीख मुकर्रर की गई हैं। वहीं ये सभी याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर भी अपलोड की गई थीं। इनमें सीएए के खिलाफ इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की प्रमुख याचिका भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट में कुछ सालों पुराने चल रहे मामलों पर भी आज ही सुनवाई होनी थी, लेकिन प्रधान न्यायधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने आज इन सभी जनहित याचिकाओं पर सुनवाई 19 सितंबर को करने का आदेश दिया है।

सीएए के तहत 31 दिसंबर 2014 को या फिर उससे पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है। कानून के क्रियान्वयन पर रोक लगाने से इनकार करते हुए शीर्ष अदालत ने 18 दिसंबर 2019 को संबंधित याचिकाओं पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था।

तीनों सेनाओं में तालमेल की ओर बढ़ रहा है भारत : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत तेजी से सशस्त्र बलों की तीनों सेनाओं में तालमेल की ओर बढ़ रहा है और प्रयास सामान्य लॉजिस्टिक नोड्स का है ताकि एक सेवा के संसाधनों को दूसरी सेवा के लिए निर्बाध रूप से उपलब्ध कराया जा सके।

केंद्रीय मंत्री ने यहां सेना लॉजिस्टिक्स पर एक सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने रेल क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है और पिछले सात वर्षों में 9,000 किमी से अधिक लाइनों को जोहरीकरण कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले के पांच वर्षों में यह आंकड़ा केवल 1,900 किलोमीटर था।

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में, नागरिक और सैन्य हितधारकों के बीच आवश्यक तालमेल और संलयन की बात की, और जोर देकर कहा कि दोनों पक्षों के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 'प्रतिबद्धता' दिखाती है जैसा कि भारत खड़ा है एक 'अमृत काल' की दहलीज पर।

सिंह ने कहा, हम तेजी से तीनों सेवाओं की संयुक्तता की ओर बढ़ रहे हैं, और कहा कि हमारा प्रयास सामान्य लॉजिस्टिक नोड्स का है ताकि एक सेवा के संसाधनों को अन्य सेवाओं के लिए मूल रूप से उपलब्ध कराया जा सके।

दिल्ली छावनी के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स उन क्षेत्रों में से है, जिन्हें इस संयुक्तता से सबसे ज्यादा फायदा हुआ है।

ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले में कोर्ट ने सुनाया फैसला, हिन्दू पक्ष के हक में फैसला

वाराणसी, 12 सितम्बर (एजेंसी)। ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी प्रकरण में जिला अदालत ने अपना फैसला सुना दिया है। वाराणसी के जिला जज ने अपना निर्णय देते हुए कहा कि उपरोक्त मुकदमा न्यायालय में चलने योग्य है। यह निर्धारित करते हुए प्रतिवादी संख्या चार अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के द्वारा अदालत को दिए गए 7/11 के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया गया।

जिला जज डा. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में कोर्ट ने हिन्दू पक्ष की अपील स्वीकार कर ली है। कोर्ट में मुस्लिम पक्ष फैसले के दौरान मुस्लिम पक्ष मौजूद नहीं था। कोर्ट ने हिन्दू पक्ष की दलीलें मानी हैं और मुस्लिम पक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने माना कि यह मामला 1991 के वर्शिप एक्ट के तहत नहीं आता। अब जिला कोर्ट 22 सितंबर को इस मामले में अगली सुनवाई करेगी।

कोर्ट के फैसले के दौरान हिन्दू पक्ष के वकील हरिशंकर जैन और विष्णु शंकर जैन कोर्ट में मौजूद थे। हालांकि मुख्य याचिकाकर्ता राखी सिंह मौजूद नहीं थीं। जज ने कुल 62 लोगों को कोर्ट रूम में मौजूद रहने की इजाजत दी थी।

अदालत ने मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि मुकदमा विचारणीय है। मामले की अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी। इस मामले में मुस्लिम पक्ष ने साल 1991 के वर्शिप एक्ट के तहत दलील पेश कर परिसर में दर्शन-पूजन की अनुमति पर आपत्ति जताई थी। वहीं हिन्दू पक्ष का कहना था कि श्रृंगार गौरी में दर्शन-पूजन की अनुमति दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को पोषणीयता पर वाराणसी की जिला अदालत को विचार करने का निर्देश दिया था।

हिन्दू पक्ष की याचिकाकर्ता मंजू व्यास ने फैसले के बाद कहा कि 'भारत आज खुश है। मेरे हिन्दू भाइयों और बहनों को जश्न मनाने के लिए दीया जलाना चाहिए।'

हिन्दू पक्ष के वकील सोहनलाल आर्य ने कोर्ट के बाहर कहा कि हर काशीवासी से निवेदन है कि शांति बनाए रखें। अगली सुनवाई 22 को है और ये बहुत की खुशी की बात है और पूरा उत्तर प्रदेश हर्षित है।

हिन्दू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि आज कोर्ट ने हमारे सारे फैसले मान लिए। मुस्लिम पक्ष की याचिका रिजेक्ट कर दी गई है। अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी। कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। मीडिया से बातचीत करते हुए हिन्दू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने कहा कि जिला अदालत ने मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाते हुए मुस्लिम पक्ष की याचिका 7 रूल 11 को खारिज कर दिया। यह एक बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने यह माना है कि मामला सुनवाई योग्य है और इस मामले में 1991 का वर्शिप एक्ट लागू नहीं होता। अब इस मामले में 22 सितंबर को अगली सुनवाई होगी। विष्णु जैन ने कहा कि इस मामले से जुड़ी पूरी लीगल टीम काशी विश्वनाथ के दर्शन भी करने जाएगी।

इस मामले में 24 अगस्त को हिन्दू और मुस्लिम पक्ष की बहस पूरी हो गई थी। इसके बाद वाराणसी के जिला जज एके विश्वेश ने 12 सितंबर यानी आज तक के लिए फैसला सुरक्षित रख लिया था।

पांच हिन्दू महिलाओं ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में मौजूद हिन्दू देवी-देवताओं की पूजा की अनुमति मांगी थी। इन महिलाओं ने खासतौर पर श्रृंगार गौरी की हर दिन पूजा करने की इजाजत चाही थी। कोर्ट के आदेश पर मस्जिद में सर्वे भी किया गया था। सर्वे के बाद हिन्दू पक्ष ने दावा किया था कि मस्जिद के तहखाने में शिवलिंग मौजूद है, जबकि मुस्लिम पक्ष ने इसे फव्वारा बताया था। 18 अगस्त 2021 को 5 महिलाएं ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में मां श्रृंगार गौरी, गणेश जी, हनुमान जी समेत परिसर में मौजूद अन्य देवताओं की रोजाना पूजा की इजाजत मांगते हुए कोर्ट पहुंची थीं। अभी यहां साल में एक बार ही पूजा होती है।

इन पांच याचिकाकर्ताओं का नेतृत्व दिल्ली की राखी सिंह कर रही हैं, बाकी चार महिलाएं सीता साहू, मंजू व्यास, लक्ष्मी देवी और रेखा पाठक बनारस की हैं।

26 अप्रैल 2022 को वाराणसी सिविल कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में श्रृंगार गौरी और अन्य देव विग्रहों के सत्यापन के लिए वीडियोग्राफी और सर्वे का आदेश दिया था।

'बच्चा शिक्षा पोषण भी-पढ़ाई भी' कार्यक्रम आयोजित

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 12 सितम्बर। गेजिंग डीसी द्वारा आयोजित माहव्यापी पोषण कार्यक्रम के तहत आज 12वें दिन डीपीसीए आंगनबाड़ी में 'बच्चा शिक्षा पोषण भी-पढ़ाई भी' कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर डीसी यिशे डी. योंगदा के अलावा सीडीपीओ एचबी शंकर, डीपीसीए प्रिंसिपल, कोऑर्डिनेटर, सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने शिरकत की।

इस दौरान ताजे गर्म खाने जैसे चावल की खीर, खिचड़ी, पराठे आदि तैयार करना का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर डीसी ने माहव्यापी पोषण कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताते हुए स्कूली बच्चों को तैयार ताजे खाद्य-पदार्थों के बारे में बताया। उन्होंने बच्चों को डब्बा बंद जंक फूड के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लम्बे समय तक जंक फूड खाने के दुष्प्रभावों के बारे में बोलते हुए कहा कि ऐसे खाद्य-पदार्थ स्वाद में अच्छे होने के बावजूद कोई पोषण प्रदान नहीं करते हैं।

इस अवसर पर गेजिंग सीडीपीओ ने कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए डीसी को धन्यवाद दिया।

साथ ही पोषण माह की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन आईसीडीएस सुपरवाइजर ने किया। वहीं इस अवसर पर एक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

केरल में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो' यात्रा के दूसरे दिन राहुल के साथ बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

तिरुवनंतपुरम, 12 सितम्बर (एजेंसी)। केरल में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो' यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को यानी आज लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। पार्टी नेता राहुल गांधी ने सुबह वेल्लायानी जंक्शन से पदयात्रा शुरू की। गांधी के साथ पदयात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, वहीं लोग गांधी की अगुवाई में शुरू हुई इस यात्रा को देखने के लिए भी सड़क के दोनों ओर एकत्र हुए। इससे पहले रविवार को नेमोम में पहले दिन की यात्रा समाप्त होने पर गांधी ने कहा कि केरल सभी का सम्मान करता है और खुद को कभी विभाजित नहीं होने देता और न ही नफरत फैलने देता है।

उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा एक प्रकार से इन्ही विचारों का विस्तार है। उन्होंने कहा था, एकजुट रहना तथा सौहार्द के साथ मिल कर काम करना केरल के लोगों के लिए स्वाभाविक और सामान्य बात है और उन्होंने देश को यह दिखाया है। गांधी ने कहा कि केरल यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का स्वागत करता है। यह न तो खुद को विभाजित होने देता है और न ही राज्य में नफरत फैलने की इजाजत देता है। तो एक प्रकार से भारत जोड़ो यात्रा केरल के इस विचार का विस्तार मात्र है। राज्य में कांग्रेस की भारत जोड़ो' यात्रा के पहले दिन बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल हुए और दिन बीतने के साथ लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

गौरतलब है कि गांधी वायनाड से सांसद हैं और इसके अलावा राज्य में पार्टी का आधार काफी मजबूत है। पार्टी की ओर से साझा किए गए यात्रा कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को यानी आज यह यात्रा पूर्वाह्न करीब 11बजे पट्टोम में रुकेगी फिर शाम 5 बजे कझाकुट्टोम के लिए रवाना होगी और वहां पहुंच कर दूसरे दिन की यात्रा समाप्त हो जाएगी। भारत जोड़ो यात्रा शनिवार को केरल पहुंची थी।

यह यात्रा 19 दिनों में राज्य के सात जिलों से होते हुई एक अक्टूबर को कर्नाटक पहुंचेगी। यात्रा 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरेगी और 150 दिनों की अवधि में तमिलनाडु में कन्याकुमारी से जम्मू और कश्मीर तक 3,570 किमी की दूरी तय करेगी। देश के 22 शहरों में रैलियां होंगी।

कुछ पार्टियां बंगाल के विकास की कभी बात नहीं करती : ममता

कोलकाता, 12 सितम्बर (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल उनकी सरकार की उपलब्धियों की उपेक्षा करते हुए केवल राज्य की नकारात्मक छवि बनाने'' की कोशिश कर रहे हैं और और मीडिया का एक वर्ग चुनिंदा सूचनाएं देकर इनका प्रचार करता है। बनर्जी ने उत्कर्ष बांग्ला' योजना के लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र के वितरण कार्यक्रम के दौरान कहा कि आलोचक उनकी सरकार द्वारा कौशल विकास और एमएसएमई क्षेत्र में किए गए कदमों की उपेक्षा करते हैं, जो एक करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है।'' इस योजना का उद्देश्य युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान करना है और उन्हें उद्योग के लिए तैयार करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 2020-21 में कोविड-19 महामारी के दौरान देश में अन्यत्र रोजगार दर में 45 प्रतिशत की कमी आई, लेकिन बंगाल उस समय 40 प्रतिशत अधिक रोजगार पैदा करने में सक्षम था।'' उन्होंने परोक्ष रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कटाक्ष करते हुए कहा, हम आम आदमी को चोट पहुंचाने वाले व्यवधानों की अनुमति नहीं देते हैं। एक पार्टी जो दिल्ली (केंद्र) से शासन करती है वह केवल व्यवधान चाहती है। इनमें से कुछ दल कभी भी बंगाल की उपलब्धियों को प्रदर्शित नहीं करते हैं। मीडिया का एक वर्ग भी ऐसा ही करता है। इस तरह का रवैया निवेशकों और उद्यमियों की मदद करने के तरीकों के बारे में आवश्यक जानकारी के प्रसार को रोकता है।''

मुख्यमंत्री ने बिना किसी पार्टी का नाम लिए पूर्ववर्ती वाम मोर्चा शासन के खिलाफ भी तीखा हमला किया जिस पर उन्होंने बंगाल में औद्योगिक वातावरण को अपने शासन के 34 वर्षों के दौरान अराजक राजनीति'' के साथ बर्बाद करने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल में सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के विकास के बारे में उन्होंने कहा, वर्तमान में राज्य में 90 लाख उद्यम चालू हैं, जिसमें 1.36 करोड़ लोगों को रोजगार मिला हुआ है।''

बनर्जी ने कहा कि ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों ने सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के छात्रों के लिए पांच लाख स्कूल पोशाक तैयार किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हम कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिसने महामारी के बीच नए आयाम लिए हैं। ऑनलाइन-आधारित होम डिलीवरी' सेवाएं कई युवाओं को रोजगार दे रही हैं। हमें उन्हें प्रशिक्षण देना होगा और पश्चिम बंगाल को इस क्षेत्र में अग्रणी बनाना होगा।'' बनर्जी ने बंगाल को नंबर एक' घरेलू यात्रा गंतव्य बनाने के उपाय करने का भी आह्वान किया, जिसमें सुझाव दिया गया कि पर्यटकों की रुचि के स्थानों में अधिक होम स्टे' बनाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा, अगर कोई टीवी सेट काम नहीं कर रहा है, तो हमारे प्रशिक्षण संस्थानों में टीवी मरम्मत में प्रशिक्षित लोगों को व्यवसाय में शामिल मैकेनिक के अलावा काम पर रखा जा सकता विकल्प बढ़ते हैं। हमारी उत्कर्ष बांग्ला' योजना का उद्देश्य ऐसा करना है।''

राज्य के सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा के बारे में बनर्जी ने कहा कि त्योहार के दौरान 40,000 करोड़ रुपये का कारोबार होता है, जो सजावट करने वालों, इलेक्ट्रीशियन, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं और कारीगरों के अलावा अन्य लोगों के लिए आय का स्रोत बनाता है। उन्होंने आशा जताई कि बंगाल की दुर्गा पूजा के लिए यूनेस्को का अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' सम्मान सबसे गतिविधियों को और बढ़ावा देगा।

बनर्जी ने अपनी सरकार को उद्योगों के अनुकूल'' बताते हुए कहा, हम सभी उद्योगों से बंगाल में आने और निवेश करने का अनुरोध करते हैं। हम रोजगार पैदा करने में विश्वास करते हैं।''

बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार ने एक व्हाट्सएप नंबर शुरू किया है, जहां निवेशक निवेश के दौरान अपने सामने आने वाली किसी भी समस्या के बारे में सूचित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, बंगाल में 200 से अधिक औद्योगिक पार्क होंगे, जिनमें से कुछ स्थापित हो चुके हैं, जबकि 2,800 कंपनियां आईटी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी

मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग परियोजनाओं को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वे नहीं चाहते कि बंगाल समृद्ध हो। हम चाहते हैं कि विकास जमीन मालिकों, किसानों के हितों की रक्षा करे।

हमने हमेशा किसानों के हितों को प्राथमिकता दी है, लेकिन हम यह भी चाहते हैं कि उद्योग बढ़ें।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमवार के कार्यक्रम में कम से कम 11,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र मिले। उन्होंने कहा कि अन्य 30,000 को तीन अन्य कार्यक्रमों में पत्र मिलेंगे जो दुर्गा पूजा से पहले आयोजित किये जाएंगे।

कांग्रेस ने आरएसएस की ड्रेस को जलता दिखाता तो मचा बवाल, बीजेपी बोली- यह भारत जलाओ यात्रा

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के बीच एक ऐसा ट्वीट कर दिया जिस पर सियासी बवाल खड़ा हो गया। जिसको लेकर बीजेपी के तमाम नेता भड़क गए और इसपर अपनी प्रतिक्रिया दे रहें हैं।

भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस द्वारा किए गए ट्वीट और तस्वीर की तीखी आलोचना करते हुए यह आरोप लगाया है कि राहुल गांधी इस तस्वीर के जरिए देश में हिंसा फैलाना चाहते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी परिवार और गांधी परिवार के कहने पर कांग्रेस ने संघ और भाजपा की विचारधारा से जुड़े लोगों की हत्या करने के लिए लोगों को उकसाने का काम किया है। पात्रा ने कांग्रेस से तुरंत इस ट्वीट और तस्वीर को हटाने की मांग की है।

भाजपा प्रवक्ता ने केरल में जारी राजनीतिक हिंसा का हवाला देते हुए कहा कि केरल में पहले से ही संघ के कार्यकर्ताओं के हत्या का दौर जारी है और आज यह तस्वीर ट्वीट कर कांग्रेस ने भी हिंसा, आगजनी और हत्या के लिए लोगों को उकसाने का काम किया है।

उन्होंने राहुल गांधी पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि यह भारत जोड़ो नहीं, भारत तोड़ो और आग जलाओ आंदोलन है। वो लोगों को आगजनी और हिंसा के लिए उकसा रहे हैं, इससे पहले किसान आंदोलन और अग्निवीर आंदोलन के समय भी लोगों को उकसाने का काम किया था और अब आतंकवादियों को भाजपा और आरएसएस के कार्यकर्ताओं की हत्या करने का संदेश भेज रहे हैं।

राहुल गांधी को पार्ट टाइम पॉलिटिशियन बताते हुए पात्रा ने कहा कि पार्ट टाइम राजनीति करने वाला व्यक्ति हिंदुस्तान को क्या जानेगा ? राहुल गांधी में भारत की यात्रा करने और देश को जोड़ने की क्षमता नहीं है। उनके पास देश विरोधियों के पास जाने का समय है लेकिन स्वतंत्रता सेनानियों के मेमोरियल के उद्घाटन करने के लिए समय नहीं है।

आपको बता दें कि कांग्रेस ने ट्वीट किया था, 'देश को नफरत की बेड़ियों से मुक्त कराने और बीजेपी-आरएसएस से हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए कदम दर कदम हम अपने लक्ष्य तक पहुंचेंगे।'

पार्टी ने आंशिक रूप से जली हुई आरएसएस की वर्दी दिखाते हुए एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें उल्लेख किया गया कि 145 दिन और बचे हैं। पार्टी की महत्वाकांक्षी 'भारत जोड़ो यात्रा' के पूरा होने में बचे दिनों की संख्या का जिक्र किया गया था।

भाजपा इस तस्वीर और ट्वीट को लेकर हमलावर है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार को पार्टी के एक ट्वीट को लेकर कांग्रेस पर फिर से निशाना साधा।

पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, 'इतनी शर्मनाक मानसिकता का प्रतिनिधित्व करने वाला ऐसा शर्मनाक ट्वीट। कांग्रेस पार्टी अपने असली इरादे भी नहीं छिपा रही है। 'भारत जोड़ो' की आड़ में, यह 'भारत तोड़ो' में लिप्त है। भारत राष्ट्रवादियों को आहत करने के उनके इरादों के लिए उन्हें माफ नहीं करेगा।'

सरमा ने पहले अभियान को लेकर राहुल गांधी पर हमला करते हुए कहा था कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता को यात्रा शुरू करने के लिए पाकिस्तान जाना चाहिए था क्योंकि उनकी पार्टी विभाजन के लिए जिम्मेदार है।

एनसीपी के राष्ट्रीय अधिवेशन में अजीत पवार दिखे नाराज

नई दिल्ली, 12 तिम्बर (एजेन्सी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के 8वें राष्ट्रीय अधिवेशन में अजीत पवार के न बोलने के कारण जहां कार्यकर्ता नाराज हुए, वहीं बात यहां तक पहुंच गई कि उन्हें मंच तक छोड़कर जाना पड़ा।

इस दौरान अधिवेशन अजीत पवार और जयंत पाटिल के बीच शक्ति प्रदर्शन का केंद्र बना रहा। अजीत पवार कार्यक्रम शुरू होने से पहले से थोड़े नाराज नजर आ रहे थे। हालांकि अजीत पवार जब मंच पर पहुंचे तो कार्यकर्ताओं में मानो खुशी की लहर दौर पड़ी हो। मंच पर बैठने के बाद अजीत पवार के बगल वाली कुर्सी शरद पवार के लिए थी, लेकिन अचानक अजीत पवार ने चाचा शरद की बगल की कुर्सी को छोड़कर नेता पीसी चाको को वहां बैठने के लिए आमंत्रित किया और खुद पहली पंक्ति की ही चौथी कुर्सी पर जाकर बैठ गए।

वहीं जब भाषण की बात आई तो एनसीपी के सभी नेताओं ने भाषण दिया और प्रफुल्ल पटेल ने एक-एक कर सभी को आमंत्रित भी किया। सुप्रिया सुले के भाषण के बाद सांसद अमोल कोल्हे ने भाषण दिया, वहीं प्रफुल्ल पटेल ने जयंत पाटिल से भाषण देने का अनुरोध किया, तभी अजित पवार के समर्थकों ने जमकर हंगामा किया।

वहीं दूसरी ओर जयंत पाटिल के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। जयंत पाटिल का भाषण के दौरान ही अजीत पवार उठकर चल दिए और पार्टी के नेताओं ने उन्हें फोन भी किया और सुप्रिया सुले नें भी उन्हें मनाने की कोशिश की, इसलिए वह उनके पीछे बाहर गईं। हालांकि थोड़ी देर बाद वह वापस आए, लेकिन उन्हें भाषण देने का मौका नहीं मिल सका। इसके बाद जब वह मंच से उठकर गए तो कई कार्यकर्ता भी उनके पीछे चले गए और उन्होंने बाद मे मीडिया से कोई बात नहीं की।

नई दिल्ली में जी20 प्रदर्शनी में सिक्किम ने लिया हिस्सा

आईपीआर

गंगटोक, 12 सितम्बर । जी20 सचिवालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की भागीदारी में 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में जी20 प्रतिनिधि स्मृति चिन्ह के लिए 2 दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन एवं निरीक्षण आज मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री के सचिव श्री पीके मिश्र ने किया। उनके साथ श्री अमिताभ कांत, भारत के विदेश सचिव श्री एचवी श्रृंगला, डीपीआईआईटी के सचिव अनुराग जैन, कपड़ा मंत्रालय के सचिव श्री उपेंद्र प्रसाद सिंह भी थे।

सिक्किम ने भी इस आयोजन में भाग लिया है और जी20 प्रतिनिधि स्मृति चिन्ह के चयन के लिए उत्पादों को प्रदर्शित किया है। उत्पाद डीएचएच, सिमफेड, सिक्किम सुप्रीम और राज्य के सभी जिलों के विभिन्न नवोदित निजी उद्यमियों के थे।

राज्य का प्रतिनिधित्व सिक्किम हाउसके आरसी श्री एके चंद, सुश्री मिंगमा डिल्ली शेरपा जी20 की राज्य नोडल अधिकारी, वाणिज्य और उद्योग विभाग की विशेष सचिव श्रीमती सुमिता प्रधान आदि शामिल हुए। निरीक्षण पर गणमान्य व्यक्तियों को सभी प्रदर्शित उत्पादों के बारे में जानकारी दी गई।

गुजरात में ऑटोरिक्शा चालकों को दहलीज पर मिलेंगी आरटीओ सेवाएं

अहमदाबाद, 12 सितम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को गुजरात के ऑटोरिक्शा चालकों से वादा किया कि वह उन्हें उत्पीड़न से बचाने तथा भ्रष्टाचार को रोकने के लिए उनकी दहलीज तक क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) की सेवाएं उपलब्ध करायेंगे।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक गुजरात के अहमदाबाद शहर में ऑटोरिक्शा चालकों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि ऑटोरिक्शा चालकों ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

उन्होंने चालकों से अनुरोध किया कि वे दिल्ली की तरह यहां भी अपने यात्रियों के बीच और सोशल मीडिया के माध्यम से आप का प्रचार-प्रसार करें।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में उनकी सरकार ने कोविड-19 के कारण लागू लॉकडाउन के दौरान लगभग 1.5 लाख चालकों को दो बार पांच-पांच हजार रुपये का भुगतान किया।

केजरीवाल ने कहा, दिल्ली में आपको लाइसेंस के नवीनीकरण, स्वामित्व परिवर्तन और परमिट या आरसी से लोन हटवाने जैसे कार्यों के लिए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं है। हमने एक फोन नंबर दिया है। कॉल करें और दिल्ली सरकार का एक अधिकारी आपके दरवाजे पर खुद पहुंचेगा। आप अपने लाइसेंस का नवीनीकरण उसी तरह करवा पाएंगे जैसे आप फोन पर पिज्जा ऑर्डर करते हैं।

केजरीवाल ने कहा कि इससे रिश्वतखोरी रुकेगी। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों, सरकारी अधिकारियों को रिश्वत के तौर पर दिया जाने वाला पैसा बच जाएगा।

उन्होंने कहा, आपको कोई रिश्वत देने की जरूरत नहीं होगी। लेकिन इसके लिए आपको आप की सरकार बनानी होगी।

कार्यक्रम में मौजूद कुछ ऑटोरिक्शा चालकों ने दावा किया कि उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत लागू आदेश की अवज्ञा) के तहत पुलिस द्वारा परेशान किया गया था।

केजरीवाल ने कहा दिल्ली में भी उत्पीड़न के लिए इस (धारा) 188 का इस्तेमाल किया गया था, लेकिन उनकी सरकार ने लोगों को धारा-188 से मुक्त कर किया और गुजरात में भी ऐसा ही करेंगे।

आप नेता ने कहा कि पार्टी अपने वादे के अनुरूप 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मुहैया कराएगी जिससे ऑटोरिक्शा चालकों को पैसे बचाने और महंगाई से निपटने में मदद करेगी।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR GANGA MORNING
MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:94 DrawDate on:12/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 67L 56893
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 56893 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02672 12284 23575 25810 41668 51633 66790 77487 81099 92736
3rd Prize ₹450/-
1151 2248 2810 3600 3953 4101 4188 4351 5024 7441
4th Prize ₹250/-
0486 2121 4720 5154 5269 6744 8554 8978 9454 9588
5th Prize ₹120/-
0060 0076 0149 0367 0381 0411 0428 0652 0905 1003
1039 1145 1191 1403 1462 1553 1562 1577 1698 1814
1895 2087 2179 2459 2838 2904 3015 3021 3195 3264
3301 3318 3373 3407 3523 3538 3727 4090 4221 4379
4500 4627 4636 4644 4674 4910 4946 4971 4995 5093
5555 5747 5786 5823 5857 5935 5967 6011 6102 6177
6196 6368 6429 6501 6582 6763 6968 7116 7273 7288
7315 7403 7467 7616 7681 7709 7749 7837 7857 7931
7977 8049 8300 8438 8654 8712 8735 8772 8812 8922
8923 9017 9022 9051 9180 9336 9350 9531 9566 9587
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR SUN MONDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:94 DrawDate on:12/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 89A 23196
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 23196 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02334 12664 15403 16909 30864 37156 51384 53511 68159 85389
3rd Prize ₹450/-
0160 0446 1638 2932 3268 3289 5623 6637 8031 9337
4th Prize ₹250/-
2838 3117 6462 7234 7494 7527 8396 8451 9193 9995
5th Prize ₹120/-
0093 0099 0102 0153 0246 0275 0388 0518 0523 0601
0615 0725 0940 0988 0995 1016 1122 1177 1528 1558
1910 2065 2101 2132 2229 2368 2390 2454 2457 2528
2720 2755 2966 3013 3131 3132 3189 3279 3317 3413
3433 3523 3524 3602 3675 3762 3877 3935 3972 4190
4295 4613 4879 4944 4948 4991 5256 5415 5573 5634
5641 5704 5780 5850 6104 6190 6222 6493 6570 6605
6961 7172 7290 7429 7438 7444 7505 7644 7787 7788
7850 7942 8101 8143 8200 8433 8487 8508 8848 8889
8956 8978 9023 9051 9083 9563 9596 9634 9702 9929
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FLAMINGO EVENING
MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:194 DrawDate on:12/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 44K 46696
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 46696 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
06531 06909 12921 18624 19031 29186 32941 35111 91761 98738
3rd Prize ₹450/-
0566 0584 1710 2290 3454 3989 4211 6079 8234 9704
4th Prize ₹250/-
0022 1497 2911 3297 4314 5832 6658 7639 7895 8770
5th Prize ₹120/-
0043 0094 0145 0223 0235 0240 0243 0272 0393 0555
0625 0632 0739 0748 0842 0861 1113 1127 1191 1295
1306 1376 1398 1569 1587 1691 1770 1790 1869 1914
1931 2136 2417 2499 2568 2950 3478 3612 3727 3751
4080 4266 4494 4571 4630 4729 4779 4829 4994 4998
5178 5194 5203 5324 5457 5486 5488 5620 5778 5918
5948 6190 6307 6456 6493 6572 6687 6913 6979 7067
7202 7243 7287 7293 7318 7320 7389 7411 7541 7591
7614 7636 7691 7750 7929 8162 8195 8255 8532 8935
8955 8988 9160 9254 9350 9793 9803 9811 9923 9969
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

गलती कर रहा अमेरिका

भारत ने पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के नवीकरण के लिए 450 मिलियन डॉलर देने के अमेरिकी फैसले पर ठीक ही कड़ा विरोध दर्ज कराया है। ध्यान रहे, 2018 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान को 2 अरब डॉलर की सुरक्षा सहायता स्थगित कर दी थी। उन्होंने कहा था कि वह अफगान तालिबान और हक्कानी नेटवर्क जैसे आतंकवादी समूहों पर कारगर कार्रवाई नहीं कर पाया है। ना ही, पाकिस्तान अपने यहां उनके सुरक्षित ठिकाने नष्ट कर पाया है। दिलचस्प है कि उसी पाकिस्तान को अब बाइडेन सरकार आतंकवाद पर अंकुश लगाने की उसकी क्षमता बढ़ाने के मकसद से यह सहायता देने जा रही है।

पाकिस्तान जिहादी आतंकवाद का गढ़ रहा है। उसने ओसामा बिन लादेन जैसे आतंकवादी को शरण दी थी। उसने अफगानिस्तान पर काबिज होने में तालिबान की मदद भी की। अजीब बात है कि बाइडेन सरकार उसी पाकिस्तान से आज आतंकवाद की नकेल कसने की उम्मीद कर रही है। उसे आर्थिक मदद दे रही है। इससे अमेरिका की सोच और प्राथमिकता पर भी प्रश्नचिह्न लग जाता है। वैसे, अमेरिका ने कहा है कि इस मदद से एफ-16 लड़ाकू विमानों की क्षमता में अतिरिक्त बढ़ोतरी नहीं होगी। लेकिन साथ ही यह भी बताया है कि आतंकवाद विरोधी अभियानों में इन विमानों की हवा से जमीन पर मार करने की क्षमता से मदद मिलेगी। है ना अजीब बात।

बहरहाल, अमेरिका के इस फैसले ने भारत को ही नहीं, स्वतंत्र प्रेक्षकों को भी चौंकाया है। यह सच है कि हाल के वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच नजदीकियां काफी बढ़ी हैं। फिर भी आपसी रिश्तों को लेकर दोनों देशों के नजरिये में बुनियादी अंतर है। अमेरिका इस साझेदारी को गठबंधन के संदर्भ में लेता है, जबकि भारत इसे खास क्षेत्रों में साझा हितों पर आधारित ऐसे समझौते के रूप में देखता है, जिससे अन्य क्षेत्रों में अन्य देशों के साथ साझेदारी बनाने के अधिकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। अमेरिका किसी भी देश के साथ रिश्तों में अपने हितों को तवज्जो देता है, लेकिन जब उसका कोई करीबी देश ऐसा करता है तो अमेरिका को वह पसंद नहीं आता। इससे आपसी रिश्तों में तनाव आने लगता है। ऐसे में यह संभव है कि हावी होने की अमेरिकी आदत और स्वतंत्र नीति पर बने रहने की भारत की जिद के चलते कभी भी बात बिगड़ने का खतरा पैदा हो जाए।

जाहिर है, दोनों देशों को अपने रिश्तों की नजाकत समझते हुए सोच-समझकर आगे बढ़ना होगा। मगर फिलहाल पहली जरूरत एफ-16 विमानों के लिए पाकिस्तान को मदद देने के फैसले से उबरने की है। यह समझना होगा कि एफ-16 लड़ाकू विमान हमेशा भारत के खिलाफ इस्तेमाल किए जाते रहे हैं। अगर इतने अहम मसले पर भारत के सुरक्षा हितों को लेकर संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई तो सामरिक साझेदारी के औचित्य पर सवाल उठना कैसे रोका जा सकेगा!

चुनावी राजनीति में दक्षिण, बीजेपी की आक्रामक रणनीति

आर. राजगोपालन

दक्षिण के क्षेत्रीय दलों के नेता अचानक उत्तर भारत पर ध्यान क्यों केंद्रित करने लगे हैं? यह भारतीय राजनीति में एक नया मोड़ है। आप चाहे जिस तरफ से देखें, उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक स्पष्ट विभाजन मौजूद है। ऐसे में, वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अपनी रणनीतियों और प्रभाव क्षेत्र से बाहर निकलते हुए कई नेताओं ने उत्तर और दक्षिण के बीच भागदौड़ शुरू कर दी है। इसकी मुख्य वजह यह है कि दक्षिण भारत में लोकसभा की 130 सीटें हैं। वायनाड से सांसद और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा शुरू की है। इसी तरह के. चंद्रशेखर राव ने पिछले दिनों नीतीश कुमार से मुलाकात की, तो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने शिक्षा मॉडल का प्रचार करने तमिलनाडु पहुंचे। उन्होंने वहां द्रमुक के प्रमुख एम. के. स्टालिन से मुलाकात भी की।

इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के कोच्चि में भारतीय नौसैनिक जहाज विक्रांत राष्ट्र को समर्पित किया, तो गृहमंत्री अमित शाह ने दक्षिणी राज्य परिषद की बैठक के लिए केरल को चुना। भाजपा द्वारा अचानक बीएस येदियरप्पा को संसदीय बोर्ड में शामिल करने का फैसला और तमिलनाडु की वनती श्रीनिवासन को भाजपा महिला मोर्चा का प्रमुख बनाना, जो हिंदी नहीं जानतीं, क्या बताता है? यही कि भाजपा के लिए भी दक्षिण भारत का महत्व बढ़ गया है। राहुल गांधी कर्नाटक में दो युद्धरत कांग्रेस नेताओं-डीके शिव कुमार और सिद्धारमैया को नाटकीय तरीके से एक साथ ले आए, जैसे कि उन्होंने कांग्रेस के लिए मिलकर काम करने के लिए सुलह कर ली हो। गौरतलब है कि पंजाब में नवजोत सिंह सिद्धू और चरणजीत सिंह चन्नी को साथ लाने के लिए भी राहुल गांधी ने यही किया था। उसके बावजूद पंजाब में कांग्रेस चुनाव हार गई।

भाजपा और कांग्रेस के फैसलों से पता चलता है कि दोनों राष्ट्रीय दलों की नजर दक्षिण भारत के छह राज्यों की 130 लोकसभा सीटों पर है। 1980 के दशक के उत्तरार्ध में एनटीआर, एमजीआर, जयललिता जैसे कद्दावर नेता थे, लेकिन हाल के वर्षों में इन नेताओं की प्रतिकृतियां ही रह गईं। इनमें से कई 2जी और कोयला घोटाले में संलिप्त थे। यहां तक कि यूपीए सरकार में वित्तमंत्री रहे पी. चिदंबरम तक को सुप्रीम कोर्ट ने जेल में डाल दिया था। दक्षिण की क्षेत्रीय पार्टियों को इससे पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं हुआ होगा।

उत्तर भारत की जो पार्टियां अक्सर दक्षिण की आलोचना करती थीं, अचानक वे इन राज्यों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। दक्षिण में छह से आठ जातियों का वर्चस्व है। इनमें सबसे शक्तिशाली लिंगायत, वोक्कालिगा, गोंडर, थेवर, खम्मा और रेड्डी हैं। इन समुदायों के नेता स्वतंत्रता सेनानी थे। लेकिन यहां केंद्र के खिलाफ क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ। वर्चस्ववादी नीतियों के कारण ये पार्टियां स्वाभाविक ही कांग्रेस और भाजपा से चिढ़ गईं। लेकिन अब भाजपा दक्षिण के राज्यों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। हाल ही में तेलंगाना राष्ट्र समिति के प्रमुख के. चंद्रशेखर राव ने पटना में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के साथ लोकसभा चुनाव 2024 की रणनीति पर चर्चा की। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने तमिलनाडु और कर्नाटक का दौरा किया। ऐसा क्यों? नीतीश कुमार अक्तूबर में द्रमुक नेता स्टालिन से मिलेंगे।

हालांकि गोवा में विफल होने के बाद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने दक्षिण भारत का रुख न करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता दक्षिण में बढ़ी है। इसका प्रमुख कारण आठ वर्षों का स्वच्छ प्रशासन है। यूपीए के विपरीत, उनके कार्यकाल में केंद्र-राज्य संबंध सहज रहे हैं। फिर खासकर यूपीए-2 में तो कई घोटाले, बम धमाके और सांप्रदायिक तनाव के हालात पैदा हुए थे। दिलचस्प बात यह है कि हाल के महीनों में प्रधानमंत्री मोदी की जगन मोहन रेड्डी से भी चार मुलाकातें हुईं और इतनी ही बार मुलाकातें चंद्रबाबू नायडू के साथ भी हुईं। क्या इसका मतलब यह है कि 2024 में आंध्र प्रदेश में भाजपा का कोई दुश्मन नहीं है? तथ्य यह है कि तेलंगाना का अलग राज्य बनने के बाद आंध्र में कांग्रेस का पतन हो गया है और भाजपा दक्षिण भारत में निश्चित रूप से आगे बढ़ रही है। कर्नाटक और पुदुचेरी में उसकी सरकार है। जबकि कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अपना जनाधार खो दिया है। जब से उत्तर प्रदेश में मोदी और योगी की डबल इंजन सरकार की वापसी हुई, दक्षिण में मोदी की लोकप्रियता में और इजाफा हुआ है। भाजपा की आक्रामक 'दक्षिण की ओर देखो' नीति फलदायी हो रही है। उनका नारा है- 'पहले तेलंगाना, फिर तमिलनाडु।'

बहुत व्यवस्थित ढंग से हर महीने प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा सभी दक्षिणी राज्यों का दौरा कर रहे हैं, लेकिन सबसे ज्यादा जोर तेलंगाना पर है। यही कारण है कि के. चंद्रशेखर राव बौखला गए हैं और उत्तर भारत में भाजपा के जनाधार में सेंध लगाना चाहते हैं। विभिन्न दलों और उनकी विचारधारा में उत्तर भारत और दक्षिण भारत में अंतर है। दक्षिण भारतीय मतदाता मुख्यमंत्री के रूप में फिल्मी सितारों को देखते रहे हैं। लेकिन कोरोना के बाद मजबूत हुई डिजिटल भुगतान व्यवस्था ने खासकर दक्षिण भारतीय छात्रों को मोदी और भाजपा का मुरीद बना दिया है। इसके अलावा, यूक्रेन युद्ध के दौरान युद्ध क्षेत्र से दक्षिण के हजारों छात्रों को सुरक्षित वापस लाया गया।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अब जबकि ज्यादा समय नहीं है, सोशल मीडिया के जरिये भाजपा की पहुंच तेजी से बढ़ रही है। इसका श्रेय दूर-दराज के गांवों में फैले 5जी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क को जाता है। इसलिए दक्षिण के राज्यों में आगामी लोकसभा चुनाव का प्रचार और मतदान अनोखा होगा। मोदी ने थोक भाव में दक्षिण के लोगों को पद्म पुरस्कार बांटे हैं। अपने मासिक 'मन की बात' में उन्होंने दक्षिण के सामान्य लोगों का परिचय दिया है और दक्षिण के मध्यवर्ग तक भी पहुंचे हैं।

द्रमुक, टीआरएस, वाईएसआर जगन रेड्डी मोदी का मुकाबला करने में विफल हो रहे हैं। कहने की जरूरत नहीं कि भाजपा और मोदी ने दक्षिण के युवाओं को आकर्षित किया है, जिसका लाभ 2024 में मिलने वाला है।

चीन पर 'मानवाधिकार' रक्षकों का दोहरा मापदंड

बलबीर पुंज

यूं तो संसार में ढेरों आश्चर्य हैं। इसी में से एक चीन से संबंधित है, जहां के शिनजियांग प्रांत में सवा करोड़ उइगर मुसलमानों के खिलाफ मजहब के नाम पर राजकीय दमन चरम पर है और इस्लाम के ठेकेदार देश इस पर न केवल चुप हैं, अपितु चीन के सहयोगी भी बने हुए हैं। इसमें चीन का सबसे विश्वासी मित्र या यूं कहे कि दुमछल्ला देश पाकिस्तान भी शामिल है, जिसका अस्तित्व ही पिछले 75 वर्षों से इस्लामी अवधारणा पर टिका हुआ है।

यह वाकई किसी चमत्कार से कम नहीं कि जिस प्रकार भारत में नूपुर शर्मा के कुछ सेकंड के वीडियो से वैश्विक मुस्लिम समाज की भावना एकाएक आहत हो गई थी, वे संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की हालिया चीन संबंधित मुस्लिम विरोधी रिपोर्ट पर न तो आंदोलित हैं और न ही चीन के खिलाफ भारतीय उपमहाद्वीप की सड़कों पर 'सर तन से जुदा' जैसे विषाक्त नारों का उद्घोष हो रहा है।

अपने चार वर्ष के कार्यकाल खत्म करने के कुछ मिनट पहले संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार की आयुक्त मिशेल बैचलेट ने बहुप्रतिक्षित रिपोर्ट 31 अगस्त को जारी कर दिया। आखिर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में ऐसा क्या है, जिस पर चीन बौखला रहा है? रिपोर्ट में चीन पर 'मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन' का आरोप लगाया गया है। इसमें विश्वसनीय साक्ष्य मिलने की बात की गई है, जिससे सिद्ध होता है कि शिनजियांग में 'मानवता के खिलाफ अपराध' हो रहा है, जिसमें यौन शोषण और नसबंदी जैसी बातें भी शामिल हैं।

इसमें कहा गया है कि चीन ने शिनजियांग में रहने वाले उइगर मुस्लिम के खिलाफ हर स्तर पर मानवाधिकारों का उल्लंघन करते हुए क्रूरता की हदों को पार कर दिया है। मुस्लिमों को बंदीगृह/नजरबंदी केंद्रों में तरह-तरह की प्रताड़नाएं दी जाती हैं। जबरन नसबंदी के कारण वर्ष 2017 से 2019 के बीच जन्म दर में 48.7 फीसदी की गिरावट आई है। चीन किस प्रकार विशुद्ध इस्लाम-विरोधी कार्रवाइयों में लिप्त है, उसका आकलन इसी से लगाया जा सकता है कि इस्लामी मान्यताओं और अभिव्यक्तियों पर प्रतिबंध के साथ शिनजियांग में आतंकवाद-अलगाववाद रोधी 'स्ट्राइक-हार्ड' अभियान के अंतर्गत मस्जिदों और कब्रिस्तानों तक को जमींदोज किया जा रहा है।

चीन में कुल मस्जिदों की संख्या 35,000 है, जिसमें अकेले 20,000 शिनजियांग में स्थित हैं। इसी वर्ष 12-15 जुलाई को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, जिनके कार्यकाल में चीन में इस्लाम विरोधी गतिविधियां बढ़ी है उन्होंने शिनजियांग का दौरा किया था। तब शी ने स्थानीय मुसलमानों को धमकाते हुए बता दिया था कि चीन में इस्लाम का स्वरूप कैसा होना चाहिए। चीनी राष्ट्रपति के अनुसार, '...चीन में इस्लाम को चीनी होना चाहिए...।' इस वक्तव्य का सत्व यह है कि यदि चीन में मुस्लिमों को रहना है, तो उन्हें चीनी परंपरा और मार्क्सवादी व्यवस्था के अधीन ही रहना होगा।

वास्तव में, शिनजियांग में चीन का मुस्लिम विरोधी आचरण उसके अपने राजनीतिक-वैचारिक अधिष्ठान के अनुरूप ही है, क्योंकि वामपंथी विचारधारा के केंद्र में ही हिंसा, अनिश्वरवाद और मानवाधिकारों का दमन है। तिब्बत में बौद्ध भिक्षुओं का सांस्कृतिक संहार इसका अन्य प्रमाण है। चीन की तुलना में भारत में सभी अल्पसंख्यकों (मुस्लिम सहित) को समान अधिकार, तो कई मामलों में बहुसंख्यकों से अधिक सुविधा प्राप्त है। फिर भी यहां मुस्लिम समाज में 'असुरक्षा की भावना' का राग अलापा जाता है।

गत दिनों असम में राज्य सरकार ने उन मदरसों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें ढहा दिया और तीन दर्जन लोगों (मौलवी सहित) की गिरफ्तारियां की, जो नौनिहालों को जिहाद का पाठ पढ़ाने में लिप्त थे। वहीं उत्तर प्रदेश स्थित मदरसों में शिक्षा की बेहतर व्यवस्था करने हेतु सर्वेक्षण कराया जा रहा है। अब इन दोनों घटनाओं को देश में स्वघोषित सेक्यूलरवादी, वामपंथी और स्वयंभू मुस्लिम जनप्रतिनिधियों का कुनबा 'इस्लामोफोबिया' और 'मुस्लिम-विरोधी' बता रहे है।

यदि यह सभी विषय वाकई 'इस्लामोफोबिया', 'पैगंबर साहब-कुरान के अपमान' का है, तो चीन के शिनजियांग में मुस्लिम-इस्लाम विरोधी हरकतों पर इनकी 'उम्माह' भावना क्यों आहत नहीं होती? इस वर्ष 22-23 मार्च को जब पाकिस्तान में 'इस्लामिक सहयोग संगठन' (ओआईसी) की बैठक हुई, जिसमें अक्सर कश्मीर-फिलीस्तीन पर अवांछनीय-अनावश्यक प्रस्तावों को पारित किया जाता है तब उसमें चीनी विदेश मंत्री वांग यी को विशेष आमंत्रित किया गया था। यह विरोधाभास केवल यही तक सीमित नहीं। इस्लाम में सऊदी अरब का विशेष स्थान है। वहां बदलती दुनिया के बीच आधुनिक जीवन मूल्यों के साथ इस्लाम को अनुकूल बनाने और तालमेल बैठाने के लिए बीते पांच वर्षों से उदारवादी परिवर्तन किए जा रहे हैं। इसका वैश्विक मुस्लिम समाज के एक वर्ग द्वारा विरोध भी किया जा रहा है- इसमें पाकिस्तान और भारत में मुस्लिम समाज का एक वर्ग भी है। यह चमत्कार ही है कि वह समूह भी चीन के खिलाफ चुप है। आखिर इस दोहरे मापदंड का कारण क्या है?

कनेक्टिविटी बढ़ने से कारोबार बढ़ा

डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की हालिया चार दिवसीय भारत यात्रा के दौरान सात समझौतों के अलावा दुतरफा राजनीतिक एवं सुरक्षा संबंधी विषयों पर महत्त्वपूर्ण चर्चा हुई।

इनमें बांग्लादेश में चीन के बढ़ते निवेश, बांग्लादेश में आतंकवाद एवं कट्टरवाद की चुनौती से निपटने के उपायों, हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, रोहिंग्या समस्या के समाधान खासकर उनकी शांतिपूर्ण ढंग से म्यांमार वापसी के विकल्प आदि मुद्दे शामिल रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत-बांग्लादेश को मिलकर उन आतंकी व चरमपंथी ताकतों का सामना करना होगा जो दोनों देशों के आपसी विश्वास पर हमला कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि 1971 की भावना जीवित रखने के लिए इन ताकतों का मुकाबला करना जरूरी हो गया है।

भारत ने रक्षा क्षेत्र में लंबित बांग्लादेश से तीन साल पुराने उस समझौते को लागू करने का आग्रह किया जिसमें उसे पड़ोसी देश के तटों पर निगरानी राडारों का नेटवर्क स्थापित करने की स्वीकृति दी गई है। भारत ने समुद्री सुरक्षा के लिए तटीय राडार प्रणाली उपलब्ध कराने के लिए 2019 के एमओयू को जल्द से जल्द लागू करने के अपने अनुरोध को दोहराया। दोनों देश रक्षा क्षेत्र के लिए कर्ज सुविधा के तहत परियोजनाओं को जल्द ही अंतिम रूप देने पर भी सहमत हो गए। भारत बांग्लादेश सीमा के शांतिपूर्ण प्रबंधन पर दोनों नेताओं ने अधिकारियों को 150 गज के अंदर सभी लंबित विकास कार्यों को पूरा करने के लिए काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। इन कार्यों में त्रिपुरा सेक्टर में बाड़ लगाने का काम शुरू किया जाना शामिल है।

इस यात्रा में जिन सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए उनमें कुशियारा नदी के जल बंटवारे तथा उसके पानी के साझा उपयोग, बांग्लादेश रेलवे के अधिकारियों को प्रशिक्षण, बांग्लादेशी रेलवे को मालवहन सहित विभिन्न क्षेत्रों में आईटी एप्लीकेशन के उपयोग में सहयोग, बांग्लादेश के न्यायिक अधिकारियों की क्षमता निर्माण में सहयोग, विज्ञान एवं तकनीकी अनुसंधान और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग एवं प्रसार भारती व बांग्लादेश टेलीविजन के बीच प्रसारण संबंधी समझौते शामिल हैं।

कुशियारा नदी के अंतरिम जल बंटवारा समझौते से दक्षिणी असम और बांग्लादेश के सिलहट क्षेत्र के लोगों को फायदा होगा। गौरतलब है कि 1996 में गंगा जल संधि पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद दोनों देशों के बीच इस तरह का यह पहला समझौता है। शेख हसीना ने प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि दोनों देशों ने बकाया मुद्दों को सुलझाया है। लंबित मुद्दों का समाधान भी जल्द कर लेंगे। इस दौरान हसीना ने तीस्ता जल बंटवारा समझौता होने में देरी को लेकर चिंता जताई। विदित हो कि 2011 से तीस्ता जल बंटवारा समझौता लंबित है। उस समय पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसका विरोध किया था। बेहतर संबंधों के बावजूद तीस्ता नदी के जल बंटवारे का मुद्दा दोनों देशों के बीच विवाद का कारण बना हुआ है।

बांग्लादेश रेलवे को भारतीय रेल यात्री टिकट और माल ढुलाई परिचालन के कंप्यूटरीकरण के लिए सूचना प्रौद्योगिकी से संबद्ध समाधान प्रदान करेगी। इस संबंध में दोनों देशों के बीच हुए समझौते के तहत भारतीय रेल के संस्थानों में प्रशिक्षण की सुविधा दी जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर भारतीय रेल पड़ोसी देश में अधिकारियों के साथ समन्वय भी स्थापित करेगी। प्रशिक्षण सुविधाओं की स्थापना, सुधार एवं अध्ययन में मदद करेगा। एक समझौता बांग्लादेश रेलवे को माल ढुलाई व परिचालन सूचना प्रणाली में सूचना प्रौद्योगिकी समाधान प्रदान करने के लिए भी किया गया है।

समझौते में बांग्लादेश रेलवे को विभिन्न जरूरतों के लिए सूचना समाधान प्रदान करना भी शामिल है। दोनों देशों के बीच रेल मार्ग से जुड़ी परियोजनाओं में बांग्लादेश के मोंगला पोर्ट परियोजना भारत के पूर्वोत्तर राज्यों व पश्चिम बंगाल को जोड़ने में प्रमुख भूमिका निभाएगी। वर्तमान में पूर्वोत्तर के राज्यों तक जाने के लिए भूटान-चीन-भारत सीमा के पास चिकन नेक से गुजरना होता है। खुलना और मोंगला पोर्ट के बीच 64.7 किमी. की सिंगल लाइन रेल परियोजना पर बना रेल पुल विशेष महत्त्व वाला है। दोनों नेताओं ने इस पुल का उद्घाटन किया।

दरअसल, दोनों देशों का जोर आपसी व्यापार बढ़ाने का है। इसीलिए जल, रेल व हवाई संपर्क बढ़ाने पर बल है। विदित हो कि बीते पांच साल में द्विपक्षीय व्यापार 9 अरब से 18 अरब डॉलर अर्थात 1.42 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। भारत और बांग्लादेश के बीच समग्र आर्थिक साझोदारी समझौते पर इसी वर्ष बातचीत प्रारंभ कर दी जाएगी लेकिन इस बाबत समझौते पर हस्ताक्षर तभी किए जाएंगे जब संयुक्त राष्ट्र की तरफ से बांग्लादेश को विकासशील देशों की श्रेणी में कर दिया जाएगा।

आखिर कब तक बनते रहेंगे निशाना

बिमल राय

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग का चुनाव चिह्न नाव है। वर्ष 1996 में जब उनकी पार्टी को संसदीय चुनावों में भारी जीत मिली और हसीना हिन्दू बहुल गोपालगंज सीट से सांसद बनीं, तो वहां के एक अनपढ़ वृद्ध हिन्दू से पूछा गया कि उसने अवामी लीग को वोट क्यों दिया? उसका जवाब था, 'हम नहीं समझते कि अवामी लीग क्या है। हम नाव के लिए वोट करते हैं। मैं नाव को वोट क्यों न दूं? नाव देवी की सवारी है। असुर (बुराई) का नाश करने के लिए देवी दुर्गा स्वर्ग से धरती पर नाव से आती हैं। ऐसे में अगर हम नाव को वोट नहीं देंगे, तो यह देवी की सवारी का अपमान होगा।'

इस प्रसंग का उल्लेख मोतीउर रहमान रेंटू ने अपनी पुस्तक आमार फांसी चाई में किया है। वह हसीना के बहुत करीबी नेता थे। पर हसीना के बारे में कटु सच बताने के कारण इस पुस्तक पर न सिर्फ प्रतिबंध लगा, बल्कि रेंटू और उनकी पत्नी की हत्या कर दी गई। इस पुस्तक में रेंटू ने बाबरी मस्जिद के विवादास्पद ढांचे को गिराने की घटना का जिक्र किया है। उसी दिन सार्क की ढाका में बैठक होने वाली थी। लेकिन ढांचा गिराए जाने के बाद तब विपक्ष में बैठी हसीना ने पुस्तक के लेखक को अपने घर में बुलाया और अपनी पार्टी के कैडरों को हिन्दुओं के खिलाफ भड़काने को कहा। तब खालिदा जिया प्रधानमंत्री और सार्क की अध्यक्ष भी थीं। हसीना चाहती थीं कि सार्क का सम्मेलन न हो पाए और कट्टरपंथियों को खुश किया जाए।

हिन्दुओं के वोटों पर राज करने वाली हसीना के देश में पिछले साल दुर्गापूजा पर कम से कम 1,650 हिन्दुओं के घर जलाए गए और 343 मंदिर तोड़े गए या उनमें आगजनी की गयी, 14 से अधिक हिन्दुओं की हत्या हुई, बलात्कार के 26 मामले आए और हिन्दू समुदाय के बहुत लोग अब भी लापता हैं। यह सिलसिला थमा नहीं है। इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास के मुताबिक, बांग्लादेश में इस साल के पहले छह महीनों में ही 77 हिन्दुओं का अपहरण किया गया और 95 हिन्दुओं से जबरन इस्लाम कबूल करवाया गया है।

यही वजह है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं की आबादी लगातार घट रही है। वर्ष 1941 में पूर्वी बंगाल की लगभग 28 फीसदी आबादी हिन्दू थी, पर 1951 में उनका अनुपात घटकर 22 प्रतिशत रह गया था। वर्ष 2022 की जनगणना के मुताबिक, बांग्लादेश की आबादी 16,51,58,616 है, जिनमें से हिन्दुओं की आबादी घटकर लगभग 1.31 करोड़ रह गई है। ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अबुल बरकत ने अपनी पुस्तक, पॉलिटिकल इकनॉमी ऑफ रिफॉर्मिंग एग्रीकल्चर इन बांग्लादेश में लिखा है कि धार्मिक भेदभाव के कारण वर्ष 1964 से 2013 तक लगभग 1.13 करोड़ हिन्दू बांग्लादेश से पलायन को मजबूर हुए।

इंटरनेशनल हिन्दू वॉयस ऑफ बांग्लादेश के अध्यक्ष हाराधन देब के मुताबिक, हिन्दुओं पर अत्याचार के 100 मामलों में केवल पांच प्रतिशत लोगों को ही सजा होती है और वह भी मामूली। बांग्लादेश की संसद में 303 सांसद हैं, जिनमें से 16 हिन्दू हैं। तीन हिन्दू सांसद मंत्री भी हैं, पर वे हिन्दुओं के पक्ष में आवाज नहीं उठा पाते। अगर कोई सांसद इस संबंध में एक पंक्ति भी बोल दे, तो वह अगले दिन संसद में घुस नहीं पाएगा। वहां साइबर अपराध रोकने का कोई प्रयास नहीं होता। किसी हिन्दू के नाम पर फर्जी अकाउंट खोलकर अनाप-शनाप लिख दिया जाता है और दंगे भड़का दिए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शेख हसीना के बीच छह सितंबर की बैठक में हिन्दुओं की सुरक्षा का मुद्दा उठा और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने इस बार की दुर्गापूजा में हिन्दुओं को पूरी सुरक्षा देने का वादा किया है।

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग–अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा–चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

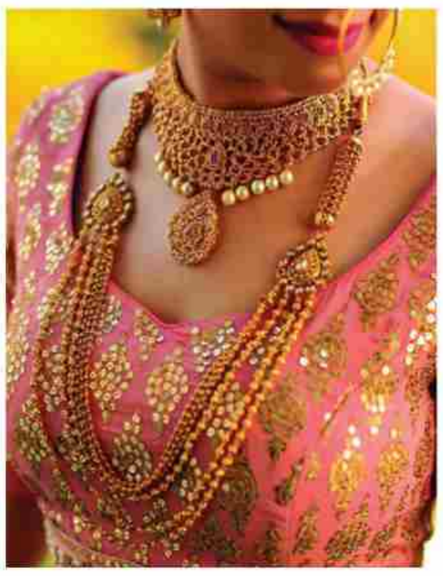

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग–धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही इस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी–नेक वाली शर्ट, टी–शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑरड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को–ऑरड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को–ऑरड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू–पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस–बी और एच इन्फलांजी–बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

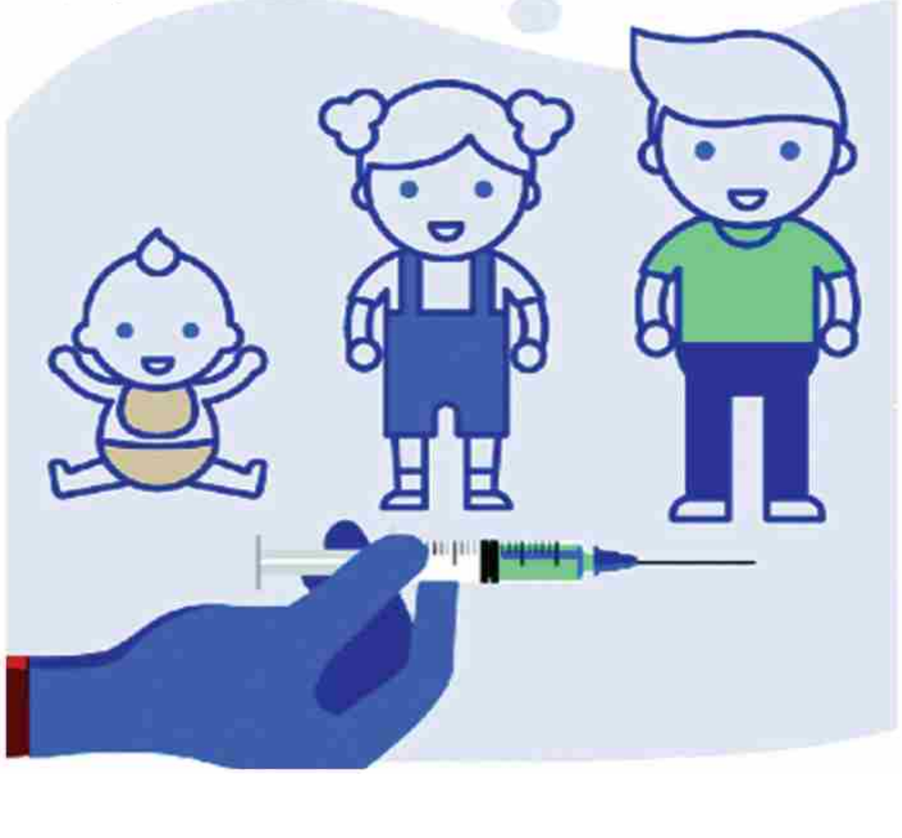

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता–पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता–पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार–बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी–पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता–पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं।

इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता–पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी–कभी मां–बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता–पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

सतत आधारभूत ढांचा निवेश मंच की 14 सितंबर को मेजबानी करेगा नेपाल

नेपाल की एक शीर्ष सरकारी एजेंसी 'सीओपी26' शिखर सम्मेलन के दौरान सरकार की ओर से 'शून्य कार्बन' उत्सर्जन के संबंध मेंजतायी गई प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए इस सप्ताह एक निवेश मंच की मेजबानी करेगी। यह जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी। नवंबर 2021 में ग्लासगो में आयोजित 'सीओपी26' शिखर सम्मेलन के दौरान, नेपाल ने 2022 से 2045 तक 'शून्य कार्बन' उत्सर्जन और उसके बाद कार्बन निगेटिव बनने की अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा की थी। नेपाल ने बाद में 2030 तक वन क्षेत्र को 45 प्रतिशत तक बढ़ाने की बात की थी। नेपाल में सार्वजनिक-निजी भागीदारी और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सुविधा के लिए 2011 में स्थापित एक शीर्ष सरकारी एजेंसी, नेपाल निवेश बोर्ड (आईबीएन),14 सितंबर को यहां ''सतत आधारभूत ढांचा निवेश मंच'' की मेजबानी करेगा। आईबीएन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ''संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) के दौरान नेपाल सरकार द्वारा की गई प्रतिबद्धता के अनुसार शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने की दृष्टि से संसाधन जुटाने के वास्ते यह मंच एक मील का पत्थर होगा।'' इसमें 400 प्रतिभागी शामिल होंगे जिनमें भारत, बांग्लादेश, ब्रिटेन और अमेरिकाजैसे देश शामिल हैं।

भारत और जीसीसी ने परामर्श तंत्र को लेकर एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के महासचिव नायफ फलाह मुबारक अल-हजरफ के साथ फ्रसार्थकफ्र बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और छह देशों के क्षेत्रीय संगठन जीसीसी के बीच परामर्श तंत्र को लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। जयशंकर भारत और सऊदी अरब के बीच संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शनिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे हैं। विदेश मंत्री के रूप में यह सऊदी अरब की उनकी पहली यात्रा है। जयशंकर ने शनिवार को यात्रा के पहले दिन जीसीसी के महासचिव से मुलाकात की और मौजूदा क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने ट्वीट किया, फ्रजीसीसी के महासचिव डॉ. नायफ फलाह मुबारक अल-हजरफ के साथ बैठक सार्थक रही। भारत और जीसीसी के बीच परामर्श तंत्र को लेकर सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। वर्तमान क्षेत्रीय व वैश्विक स्थिति और उस संदर्भ में भारत-जीसीसी सहयोग की प्रासंगिकता पर चर्चा की।फ्र जीसीसी एक क्षेत्रीय, अंतर सरकारी, राजनीतिक व आर्थिक संघ है जिसमें बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। भारत के जीसीसी के साथ पारंपरिक रूप से सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं।

बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री लेकर पाकिस्तान पहुंचे अमेरिकी विमान

कराची । बाढ़ प्रभावित पाकिस्तानियों के लिए कई टन राहत सामग्री लेकर दो और अमेरिकी सैन्य विमान दक्षिणी सिंध प्रांत में उतरे। पाकिस्तान का यह प्रांत बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के प्रवक्ता सैफ उल्लाह ने कहा कि प्रत्येक विमान में लगभग 35 टन राहत सहायता थी, जिसे विश्व खाद्य कार्यक्रम द्वारा प्रांत में वितरित होगा। सैफ उल्लाह ने कहा कि विमान सिंध के सुक्कुर हवाई अड्डे पर उतरा और अमेरिकी अभियान 16 सितंबर तक जारी रहेगा। पाकिस्तान को इस साल जून के मध्य में शुरू हुई अत्यधिक भारी मॉनसूनी बारिश का सामना करना पड़ा है। कई अधिकारियों और विशेषज्ञों ने बारिश और इसके चलते आई बाढ़ के लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने पिछले हफ्ते अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान को भारी मात्रा में सहायता भेजने का आह्वान किया था। उल्लाह ने रविवार को कहा कि संयुक्त अरब अमीरात से राहत सामग्री लाने वाली दो और उड़ानें कराची हवाई अड्डे पर उतरीं।

श्रीलंका: 37 राज्य मंत्रियों की नियुक्ति को लेकर विक्रमसिंघे विपक्ष के निशाने पर

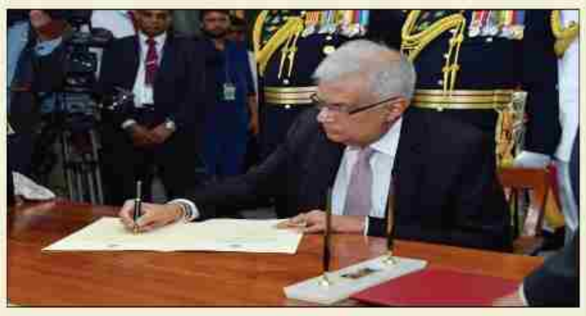

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ऐसे समय 37 राज्य मंत्रियों को अपनी सरकार में शामिल करने और जल्द ही कम से कम 12 और कैबिनेट मंत्रियों को नियुक्त करने के कदम को लेकर विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं जब द्वीपीय देश दिवालियेपन का सामना कर रहा है। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने बृहस्पतिवार को 37 कनिष्ठ मंत्रियों को नियुक्त किया था, जो मुख्य रूप से सत्तारूढ़ श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) और श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएलएफपी) से हैं। 37 नये मंत्री पद राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के 20 सदस्यीय मंत्रिमंडल के अतिरिक्त हैं, जिसने जुलाई के अंत में पदभार संभाला था। कम से कम 12 और कैबिनेट मंत्रियों को जल्द ही नियुक्त करने की चर्चा चल रही है। विपक्ष ने राष्ट्रपति के इस कदम की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि सरकार ऐसे समय में विस्तार को बर्दाश्त नहीं कर सकती जब देश अपने सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है और हाल ही में कर वृद्धि ने लोगों पर बोझ डाला है। मुख्य विपक्षी दल समागी जन बालवेगया (एसजेबी) के नेता साजिथ प्रेमदासा ने कहा, ''राष्ट्रपति और सरकार को उन लोगों की पीड़ा की कोई परवाह नहीं है जिन्हें गुजर बसर करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।'' जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा कि सरकार राज्य के मंत्रियों को सांसदों (सांसदों) के वेतन की पेशकश करके ज्यादा बचत नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, ''उन्हें भारी ईंधन भत्ते की अनुमति दी जा रही है जबकि टुक टुक (तिपहिया वाहन) ऑपरेटरों को केवल सीमित ईंधन की अनुमति दी गई है।'' शहरी विकास एवं आवास मंत्री और मुख्य सरकारी सचेतक प्रसन्ना रणतुंगा ने कहा था कि नये राज्य मंत्री देश पर बोझ नहीं बनेंगे क्योंकि वे बिना किसी मंत्री के विशेषाधिकार के काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि सभी राज्य मंत्री सांसदों के वेतन पर काम करेंगे, इसलिए वे सरकार पर कोई बड़ा बोझ नहीं होंगे। देश 1948 में अपनी स्वतंत्रता के बाद से अपने सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है। यह संकट विदेशी मुद्रा भंडार की गंभीर कमी के कारण उत्पन्न हुआ है।

अमेरिका- 9/11 हमले के पीड़ितों का स्मरण कर भावुक हुई उपराष्ट्रपति कमला हैरिस

-बोली, मेरा दिल उनके साथ जिन्होंने अपनों को खोया

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस उस समय भावुक हो गई जब वे रविवार 11 सितंबर के आतंकवादी हमलों के पीड़ितों को समरण कर रही थी, जिसमें हजारों अमेरिकी मारे गए थे। टवीट कर उन्होंने कहा, 'हम 9/11 में खोए हुए 2,977 लोगों को कभी नहीं भूलेंगे। आज ग्राउंड ज़ीरो पर खड़े होकर, मुझे याद आ रहा है कि इस हमले का हमारे देश और अपनों को खोने वालों पर क्या प्रभाव पड़ा। डौग और मैं आज और हर दिन आपके साथ खड़े हैं।' न्यूयॉर्क शहर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकवादियों द्वारा हमला किए जाने के इक्कीस साल बाद भी यह भयावह घटना लोगों की यादों में समाई हुई है। 9/11 के आतंकी हमलों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए कमला हैरिस ने मैनहट्टन के ग्राउंड जीरो में एक कार्यक्रम में भाग लिया। उनके साथ उनके पति डग एम्हॉफ, मेयर एरिक एडम्स और पूर्व मेयर माइकल ब्लूमबर्ग भी थे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह इक्कीस साल पहले ग्राउंड जीरो, शैंक्सविले और पेंटागन में खोए हुए लोगों के साथ खड़ी थीं। उन्होंने कहा, 'स्मरण के इस पवित्र दिन पर, हम उन लोगों का सम्मान करते हैं जिन्होंने अपनी जान गंवाई, साथ ही हमारा सम्मान पहले उन लोगों का जिन्होंने गंभीर आतंकवाद का सामना करने के लिए अपना सबकुछ जोखिम में डाल दिया। आज, हम उनके साहस और ताकत का सम्मान करते हैं।' कमला हैरिस ने कहा, 'मेरा दिल उन लोगों के साथ है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।' बता दें कि 21 साल पहले आज ही के दिन एक भीषण आतंकी हमले में कुल 2,977 लोगों की जान चली गई थी। 11 सितंबर 2001 को, संयुक्त राज्य अमेरिका को अपने इतिहास में सबसे घातक आतंकवादी हमले का सामना करना पड़ा। आतंकी हमलों में 3,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे। अल कायदा के आतंकियों द्वारा अपहृत किए गए विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद केवल 102 मिनट के अंतराल में, न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के जुड़वां टावर ढह गए। अमेरिका में रविवार को 11 सितंबर 2001 को हुए आतंकवादी हमले की 21वीं बरसी मनाई गई। राष्ट्रपति जो बाइडन ने पेंटागन में पुष्पांजलि अर्पित कर हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी।

एडिनबर्ग में महारानी एलिजाबेथ का ताबूत उठाये जाने पर मौन की मुद्रा में नजर आये वाइस एडमिरल टिमोथी लारेंस व राजकुमारी एनी।

महारानी एलिजाबेथ की अंतिम यात्रा में शरीक होंगे विश्व के कई शीर्ष नेता

लंदन । राजशाही वाले ब्रिटेन में महारानी क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के 8 सितंबर को निधन होने के बाद शोक छाया है। 96 साल की एलिजाबेथ ने स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल में अंतिम सांस ली। निधन के बाद ब्रिटेन के शाही प्रोटोकॉल के मुताबिक उनके अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही हैं। इस दौरान सप्ताह भर चलने वाले भव्य जुलूस, एक राजकीय अंतिम संस्कार और अन्य कार्यक्रमों के बीच सार्वजनिक श्रद्धांजलि शामिल होगी, जो यूनाइटेड किंगडम में आयोजित की जाएगी। बता दें कि महारानी का ताबूत रविवार को दोपहर 2:30 बजे (आईएसटी) स्कॉटिश एस्टेट बाल्मोरल कैसल से रवाना हुआ, जो आखिर में लंदन पहुंचाया जाएगा। महल से, उनके ताबूत को एबरडीन और डंडी के गांवों और शहरों के माध्यम से, स्कॉटलैंड में स्थित ब्रिटिश सम्राट के आधिकारिक निवास एडिनबर्ग में होलीरूडहाउस के महल में ले जाया गया है। पार्थिव शरीर को सोमवार तक होलीरूडहाउस सिंहासन कक्ष में रखा जाएगा। वहां से किंग चार्ल्स तृतीय और शाही परिवार के अन्य सदस्य जुलूस का हिस्सा होंगे और सेंट जाइल्स कैथेड्रल पहुंचेंगे, जहां उनके सम्मान में एक सेवा आयोजित की जाएगी। चर्च में जनता के दर्शन के लिए 24 घंटे तक उनके पार्थिव शरीर को रखा जाएगा। मंगलवार दोपहर को, रॉयल एयर फोर्स रानी को लंदन के पास एक एयर एरिया में ले जाएगी, जहां से उन्हें बकिंघम पैलेस के शाही निवास तक ले जाया जाएगा।

फिर से शाही परिवार में शामिल होंगे प्रिंस हैरी?

- लंबे अरसे बाद दिखे भाई राजकुमार विलियम के साथ

लंदन (एजेंसी)।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मौत के बाद यह सवाल एक बार फिर से उठ रहा है ?कि क्या प्रिंस हैरी एक बार फिर से शाही परिवार में शामिल होंगे। महारानी की मौत के बाद श्रद्धांजलि सभा के दौरान राजकुमार हैरी को अपने बड़े भाई के साथ देखा गया था। इस दौरान हैरी अपनी पत्नी मेगन के साथ राजकुमार विलियम और उनकी पत्नी केट के साथ नजर आए थे। दोनों दंपति विंडसर कैसल के बाहर, महारानी को श्रद्धांजलि देने आए लोगों की भीड़ का अभिवादन करते नजर आए। विलियम और हैरी को मार्च 2020 के बाद पहली बार

सार्वजनिक तौर पर एक साथ देखा गया। सिंहासन के उत्तराधिकारियों की पंक्ति में दूसरे स्थान पर रहे विलियम, अपने पिता महाराजा चार्ल्स तृतीय के राजा बनने के बाद, पहले उत्तराधिकारी बन गए हैं। महारानी एलिजाबेथ के निधन के बाद चार्ल्स स्वाभाविक तौर पर राजा बन गए हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि नए शासक के आने के साथ ही राजपरिवार में विलियम और केट की केंद्रीय भूमिका बढ़ जाएगी। हैरी द्वारा दो साल पहले शाही दायित्वों का परित्याग करने और अमेरिका जाने के बाद विलियम और हैरी के बीच रिश्ते अच्छे नहीं रहे। बताया जा रहा है ?कि हाल ही में उनकी एकता के प्रदर्शन की पहल विलियम ने की थी। कुछ जानकारों का यह भी मानना है कि 37 वर्षीय हैरी पुनः राजपरिवार में शामिल हो सकते हैं और अपने बड़े भाई की मदद करने के लिए उनकी जिम्मेदारियों का बोझ साझा कर सकते हैं। मैजेस्टी पत्रिका के प्रबंध निदेशक जो लिट्ल ने कहा कि निश्चित तौर पर विलियम और कैथरीन, नए प्रिंस और प्रिंसेस ऑफ वेल्स के तौर पर, मीडिया की नजरों में होंगे।

सच्चे दोस्त चीन ने फिर दिया पाकिस्तान को झटका, अबकी बार बिजली के लिए तरसाया

नीलम-झेलम हाइड्रोपावर प्रॉजेक्ट का काम बंद किया

बीजिंग (एजेंसी)।

बिजली और ईंधन की कमी से दो-चार हो रहे पाकिस्तान को करीबी दोस्त चीन ने बड़ा झटका दिया है। चीन के इंजीनियरों और कर्मचारियों ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित 969 मेगावाट के नीलम-झेलम हाइड्रोपावर प्रॉजेक्ट के मरम्मत के काम को इस साल जुलाई महीने से ही बंद कर दिया है। चीन ने यह कदम उस समय पर उठाया है, जब पाकिस्तान लगातार ऊर्जा और बिजली की कमी का सामना कर रहा है। चीन ने मरम्मत के काम को बंद करने की पीछे वजह जाहिर की हैं, कि स्थानीय लोग पनबिजली परियोजना के खिलाफ जोरदार विरोध कर रहे हैं। चीन ने कहा है कि पाकिस्तानी पुलिस उसके कर्मचारियों को सुरक्षा देने में नाकाम साबित हुई है। इस बीच चीन के अचानक से बिजली परियोजना से हटने से इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच हाइड्रो पावर प्रॉजेक्ट को लेकर तनाव पैदा हो गया है। यह बिजली परियोजना पीओके की कथित राजधानी मुजफ्फराबाद के पास स्थित है। ये चीनी इंजीनियर एक महत्वपूर्ण सुरंग को खोलने पर काम कर रहे थे। यह बिजली परियोजना 508 अरब रुपये की है और 3 साल तक काम करने के बाद अचानक से बंद हो गई है। इससे पाकिस्तान और चीनी अधिकारियों के बीच संयुक्त परियोजनाओं को लेकर गंभीर मतभेद पैदा हो गए हैं। इसमें नीलम-झेलम प्लांट के साथ-साथ खासतौर पर दासू, मोहम्मद पावर प्रॉजेक्ट भी शामिल हैं। करीब 3.5 किमी लंबी इस सुरंग से प्लांट से पानी को नदी में पहुंचाया जाता है। इस सुरंग में गंभीर गड़बड़ी आ गई है। इससे पूरे प्लांट को पूरी तरह से बंद करना पड़ा है। प्लांट के बंद होने से पाकिस्तान में बिजली का गंभीर संकट पैदा हो गया है। बताया जा रहा है कि सुरंग में दरार आ गई है।

जयशंकर ने सऊदी अरब के युवराज से मुलाकात कर पीएम मोदी लिखित संदेश सौंपा

जेद्दाह (एजेंसी)।

भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात कर उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दिया लिखित संदेश सौंपा। इस दौरान उन्होंने युवराज को द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति से भी अवगत कराया। जयशंकर दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे। विदेश मंत्री के रूप में यह सऊदी अरब की उनकी पहली यात्रा है।उन्होंने जेद्दा में सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की।

युवराज मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुल अजीज को पीएम मोदी की तरफ से एक लिखित संदेश मिला है। जेद्दा में युवराज के कार्यालय में हुई बैठक के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने मोहम्मद बिन सलमान को यह लिखित संदेश सौंपा।

बैठक के दौरान, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और उन्हें प्रगाढ़ बनाने के अवसरों की समीक्षा की गई और नवीनतम क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की गई। जयशंकर ने ट्वीट किया,आज शाम जेद्दा में युवराज मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी का संदेश दिया। उन्हें हमारे द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति से अवगत कराया। हमारे संबंधों के बारे में विचार साझा करने के लिए उनका धन्यवाद।

चीन ने आक्रमकता दिखाई, ताइवानी फौज को डराने में जुटे ड्रैगन के सैनिक

ताइपे (एजेंसी)।

चीन की ताइवान पर दावेदारी को लेकर चल रही तनातनी के बीच अमेरिकी कांग्रेस स्पीकर नैंसी पेलोसी की अगस्त में ताइवान दौरे का ऐलान के बाद से ही चीन की आक्रामकता का अनुमान लगाया जाने लगा। पेलोसी के ताइवान दौरे के बाद मिलिट्री ड्रिल के जरिए चीन ने अपनी आक्रामकता दुनिया को दिखाई। अब चीनी सेना ताइवान को अलग तरह से परख रही है। ताइवान की सीमा पर लगातार मंडराते ड्रोन के साथ ही चीनी मिलिट्री इस देश की जवाब देने की क्षमता का अंदाजा लगाने में लगी है। हाल ही में ताइवान की सेना ने एक चीनी ड्रोन को ढेर किया है और साथ ही उसने अपनी सुरक्षा को भी बढ़ा दिया है।

ताइवान के सैनिकों ने शुरुआत में तो चीनी ड्रोन्स को नजरअंदाज कर दिया था। इसके बाद ताइवान की सीमा की तरफ आने वाले चीनी ड्रोन्स की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ। ताइवान की तरफ से कई बार इन ड्रोन्स को दूर करने के लिए वॉर्निंग शॉट्स तक फायर किए गए। एक चीनी ड्रोन तो फायरिंग की वजह से समंदर में जा गिरा। पिछले एक महीने में ही करीब 30 ड्रोन्स उन दो द्वीपों की तरफ आए हैं जो ताइवान के हिस्से में हैं और चीन के दक्षिणी-उत्तरी तट की तरफ स्थित हैं। ज्यादातर ड्रोन्स या तो असैन्य थे या फिर इनकी पहचान नहीं हो सकी। लेकिन इतना तो तय था कि ये सभी ड्रोन्स उन मिलिट्री स्टेशंस को निशाना बनाने की कोशिशों में थे जहां पर ताइवानी सैनिक मौजूद हैं।इन ड्रोन्स की वजह से ताइवान और चीन के बीच तनाव और बढ़ गया है। चीन अक्सर यह दावा करता है कि ताइवान उसकी सीमा में आता है। अब इसने ताइवान स्ट्रैट में अपनी मौजूदगी को और बढ़ा दिया है। चीनी जेट्स ताइवान के करीब लगातार उड़ान भर रहे हैं। चीन ने युद्ध की आशंका के बीच ही ताइवान के सामने अलग तरह से चुनौती पेश करनी शुरू कर दी है। इसके बाद संघर्ष का खतरा भी बढ़ गया है। ताइवान स्थित नेशनल पॉलिसी फाउंडेशन में विशेषज्ञ चीह चुंगु की मानें तो चीन इस तरह का उत्पीड़न करके दबाव बढ़ाना चाहता है और वह जान-बूझकर ताइवान के करीब टेंशन बढ़ा रहा है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि चीनी सेना की तरफ से पिछले हफ्ते चार ड्रोन्स उसकी तरफ भेजे गए हैं। सवाल यह उठता है कि चीन के ड्रोन्स को आने वाले समय में ताइवान कैसे जवाब देगा और क्या वाकई उसमें इतनी ताकत है कि वह चीनी ड्रोन्स का मुकाबला कर सके। चीन ने अभी तक टीबी-001, कॉम्बेट ड्रोन को भेजा है। इस ड्रोन को स्कॉर्पियन के नाम से भी जानते हैं। इसके अलावा रेकी करने वाले दो ड्रोन्स भी चीन की तरफ से भेजे गए हैं। चीनी ड्रोन्स अपनी सेना के लिए प्रमुख तौर पर इंटेलीजेंस इकट्ठा करने का काम करते हैं। दूसरी तरफ से चीन के असैन्य ड्रोन उसके प्रपोगेंडा को फैलाने का नया हथियार बन गए हैं। चीन का मकसद इन ड्रोन्स की वजह से ताइवान की इमेज को कमजोर करना है।

रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाया, व्यापक पैमाने पर बिजली संकट

कीव। (एजेंसी)।

रूस ने यूक्रेन में ऊर्जा संयंत्रों और अन्य बुनियादी ढांचों पर हमले किए हैं जिससे युद्धग्रस्त देश में व्यापक पैमाने पर बिजली संकट पैदा हो गया है वहीं, कीव की सेनाओं ने जवाबी कार्रवाई करते हुए रूसी सेना को उत्तरपूर्वी क्षेत्र से खदेड़ दिया है, जहां उसने पहले कब्जा कर लिया था। खारकीव के पश्चिमी बाहरी इलाके में रविवार को बमबारी से एक ऊर्जा संयंत्र में भीषण आग लगी और कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गयी।

राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने असैन्य नागरिकों के खिलाफ 'जानबूझकर किए मिसाइल हमलों' की निंदा की तथा इन्हें आतंकवादी कृत्य के समान बताया। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में रविवार रात को बत्ती गुल रही। लोगों को अंधेरी सड़कों पर गाड़ियां चलानी पड़ीं और कुछ पैदल यात्रियों ने गंतव्य तक पहुंचने के लिए मोबाइल फोन का टॉर्च जलाया। रूस के कब्जे वाले दक्षिणी क्षेत्र में यूरोप के सबसे बड़े जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र को इलाके में लड़ाई तेज होने पर परमाणु विकिरण की आपदा से बचने की कवायद के तौर पर बंद कर दिया गया है।

कीव की खारकीव क्षेत्र में रूस के कब्जे वाले इलाकों को फिर से अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई के बाद मॉस्को सेनाओं को खुद को घेरे जाने के डर से वहां से जाना शुरू कर दिया है और वे अच्छी-खासी संख्या में हथियारों और गोला-बारुद छोड़कर जा रहे हैं। यूक्रेन के सैन्य प्रमुख जनरल वालेरी जालुझनी ने कहा कि उनकी सेनाओं ने सितंबर में शुरू किए अभियान के बाद से करीब 3,000 वर्ग किलोमीटर के हिस्से पर फिर से कब्जा जमा लिया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना रूसी सीमा से महज 50 किलोमीटर दूर है। खारकीव के गवर्नर ओलेह सिनेहुबोव ने कहा कि यूक्रेनी सेना ने क्षेत्र में 40 से अधिक बस्तियों पर फिर से कब्जा कर लिया है।

यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूस ने देश के दूसरे सबसे बड़े ऊर्जा संयंत्र खारकीव टीईसी-5 पर हमला किया। जेलेंस्की ने खारकीव ऊर्जा संयंत्र में आग लगने का वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने ट्वीट किया, ''रूसी आतंकवादी अब भी आतंकवादी हैं और उन्होंने अहम बुनियादी ढांचों पर हमला किया। कोई सैन्य केंद्र नहीं, केवल लोगों को अंधेरे में छोड़ने का लक्ष्य।''

इससे पहले यूक्रेन के परमाणु ऊर्जा ऑपरेटर ने कहा कि जापोरिज्जिया संयंत्र को यूक्रेन के बिजली ग्रिड से फिर से जोड़ा गया और इंजीनियरों ने इलाके में लड़ाई तेज होने पर परमाणु विकिरण की आपदा से बचने की कवायद के तौर पर इसके आखिरी रिएक्टर को भी बंद कर दिया। दुनिया में 10 सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा

केंद्रों में से एक इस संयंत्र पर युद्ध की शुरुआत से ही रूसी सेना ने कब्जा कर रखा है। यूक्रेन और रूस संयंत्र के आसपास बमबारी के लिए एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहे हैं। इस बमबारी ने संयंत्र को ग्रिड से जोड़ने वाली बिजली की लाइनों को तबाह कर दिया है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान

बुमराह-हर्षल की वापसी, शमी को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एशिया कप 2022 के बाद टीम इंडिया टी-20 विश्व कप के लिए पूरी तरह से तैयार है। बीसीसीआई ने विश्व कप के लिए चयनित टीम का ऐलान कर दिया है। वहीं, चयनित खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज आवेश खान को विश्व कप के लिए टीम में जगह नहीं मिली है जबकि मोहम्मद शमी को स्टैंड बाय के रूप में शामिल किया गया है।

रविन्द्र जडेजा के चोटिल होने के बाद टीम इंडिया में अक्षर पटेल को जगह दी गई है। वहीं, एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने के बाद आर अश्विन को भी चुना गया है। तेज गेंदबाजों की बात करें तो जसप्रीत बुमराह, हर्षल पटेल चोट के बाद विश्व कप में अपना योगदान देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

दीपक हुड्डा को टीम में मिली जगह

बल्लेबाजों में दीपक हुड्डा को भी टीम में जगह दी गई है। वहीं, चयनित टीम में अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन का नाम नहीं है। इसके अलावा दिनेश कार्तिक और ऋषभ पंत का भी नाम इस लिस्ट में है। हालांकि, प्लेइंग इलेवन में इनमें से कोई एक खिलाड़ी मैदान में खेलता नजर आएगा।

आपको बता दें, विश्व कप में मोहम्मद शमी की वापसी की उम्मीद जताई जा रही थी। लेकिन शमी को स्टैंड बाय के तौर पर शामिल किया गया है। इसमें शमी के अलावा रवि बिश्नोई, श्रेयस अय्यर और दीपक चाहर भी हैं। यदि कोई खिलाड़ी चोटिल होता है उस दौरान इन खिलाड़ियों को मौका दिया जा सकता है।

इंडियन टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, आर पंत (डब्ल्यूके), दिनेश कार्तिक (डब्ल्यूके), हार्दिक पांड्या, आर अश्विन, वाई चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, बी कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह

कार्लोस अल्कारेज ने रूड को हराकर पुरुष एकल खिताब जीता

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

न्यूयॉर्क = कार्लोस अल्कारेज ने अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में कैस्पर रूड को चार सेट में हराकर 19 साल की उम्र में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सबसे कम उम्र में एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाली खिलाड़ी बन गए। तीसरे वरीय स्पेन के अल्कारेज ने नॉर्वे के 5वें वरीय रूड को 6-4, 2-6, 7-6 (1), 6-3 से हराया। तीसरे सेट में एक महत्वपूर्ण क्षण आया जब अल्कारेज 5-6 से पिछड़ते हुए सर्विस कर रहे थे और रूड को दो सेट प्वाइंट मिले।

अल्कारेज ने न सिर्फ दोनों सेट प्वाइंट बचाए बल्कि टाईब्रेकर में सेट भी जीत लिया। अल्कारेज ने टाईब्रेकर में काफी बेहतर प्रदर्शन किया और 2-1 की बढ़त बनाई। उन्होंने चौथे सेट को आसानी से जीतकर मुकाबला और खिताब अपने नाम किया। बारिश और 26 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच आर्थर ऐश स्टेडियम की छत को बंद करके यह मुकाबला कराया गया। अल्कारेज 1973 में कम्प्यूटरीकृत एटीपी रैंकिंग शुरू होने के बाद से मात्र 19 साल और 4 महीने की उम्र में नंबर एक पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। वह 1990 में पीट सम्प्रास के 19 साल की उम्र में खिताब जीतने के बाद अमरीकी ओपन में सबसे कम उम्र के पुरुष चैंपियन भी हैं। रूड जून में रफेल नडाल के खिलाफ फाइनल में हार के साथ फ्रेंच ओपन में भी उपविजेता रहे थे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में रोहित की जगह कप्तानी करेंगे धवन !

मुबई (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की जगह शिखर धवन भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी करेंगे। माना जा रहा है कि बीसीसीआई ने यह कदम अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप में शामिल खिलाड़ियों को आराम देने के लिए उठाया है। इसमें वीवीएस लक्ष्मण मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की अनुपस्थिति में कोच के तौर पर टीम के साथ जुड़ेंगे।

टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की टी20 और एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इसमें पहले तीन टी20 मैच खेले जाएंगे जिनकी शुरुआत 28 सितंबर से होगी। पहला टी20 28 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टी20 2 अक्टूबर, 2022 को गांधी जयंती पर गुवाहाटी में जबकि तीसरा 4 अक्टूबर को इंदौर में होगा।

इसके बाद तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेली जाएगी इसकी शुरुआत 6 अक्टूबर को लखनऊ में होगी जिसमें शिखर धवन टीम की कप्तानी करेंगे। रांची और दिल्ली में 9 और 11 अक्टूबर को दूसरा और तीसरा एकदिवसीय खेला जाएगा। इससे पहले टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी जिसकी शुरुआत 20 सितंबर से हो रही है।

करो या मरो के मुकाबले में बेहतर बल्लेबाजी के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला टीम

ब्रिस्टल (एजेंसी)।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले में बेहतर बल्लेबाजी करने के इरादे से उतरेगी। चेस्टर ली स्ट्रीट में पहले मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने इंग्लैंड की गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए थे।

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'पहले मैच के बाद हमने कुछ चीजों पर चर्चा की। बेशक हमने वैसा क्रिकेट नहीं खेला जो पिछले कुछ महीनों से खेल रहे थे।' उन्होंने कहा, 'हमने अतीत में जो हासिल किया है उसके स्तर की बराबरी करने की जरूरत है। यह थोड़ा निराशाजनक था लेकिन यह एक बुरा दिन था।' स्मृति ने चेस्टर ली स्ट्रीट पर पहले मैच में हार के बाद खेलने योग्य हालात नहीं होने की कप्तान हरमनप्रीत कौर की बात दोहराई लेकिन स्वीकार किया कि टीम को वास्तव में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की जरूरत है, विशेषकर बीच के ओवरों में।

उन्होंने कहा, 'हां पहले मैच में हालात उतने अच्छे नहीं थे और आउटफील्ड पर भी पैच थे लेकिन हम इसे बहाने के रूप में इस्तेमाल नहीं करेंगे।' इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, 'हमें 12वें और 18वें ओवर के बीच अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की जरूरत है। ऐसा हमने पहले मैच में नहीं किया है।' स्मृति ने स्वीकार किया कि भारतीय बल्लेबाजों के ढुलमुल रवैये के कारण उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा और अगर उन्हें स्तरीय टीम को हराना है तो उनका लक्ष्य स्कोर को 160 से 170 रन के आसपास रखना होना चाहिए।

स्मृति ने कहा, 'आजकल टी20 क्रिकेट के स्तर को देखते हुए हमें सुरक्षित रहने के लिए 160 से 170 रन बनाने होंगे। लेकिन यह विकेट की प्रकृति पर भी निर्भर करता है।' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों के बाद मुझे लगता है कि यह हरमन (हरमनप्रीत कौर), जेमिमा (रोड्रिग्ज) या मेरी जिम्मेदारी है कि हम 20 ओवरों तक खेलें। लेकिन यह टी 20 क्रिकेट है, हमने हेमलता और किरण भी टीम में शामिल किया है। लेकिन इस स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए आपको उसे समय देना होगा।'

राधा यादव का दूसरे मैच में खेलना संदिग्ध है। उन्हें इंग्लैंड के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान दूसरे ओवर में गेंद को रोकने के प्रयास में कंधे में चोट लग गई थी। इस 23 वर्षीय ने दर्द के कारण मैदान छोड़ दिया और उनके जाने का मतलब यह भी था कि भारत के पास एक गेंदबाज कम थी। स्मृति ने कहा, 'मेडिकल टीम अभी भी राधा यादव की स्थिति की जांच कर रही है। हम मैच से पहले ही उनकी उपलब्धता के बारे में जान पाएंगे।'

फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा नें जीता सिंकीफील्ड कप शतरंजें

सैंट लुईस (एजेंसी)। 2022 के सबसे मजबूत सुपर ग्रांड मास्टर क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट का खिताब फ्रांस के 19 वर्षीय ग्रांड मास्टर अलीरेजा फिरौजा नें अपने नाम कर लिया है उन्होने रूस के यान नेपोमिन्सी को टाईब्रेक में पराजित करते हुए पहली बार यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। अंतिम नौवे राउंड में सभी मुकाबले बराबरी पर खत्म हुए अलीरेजा नें हमवतन मकसीम लागरेव से तो नेपोमिन्सी नें यूएसए के नीमन हंस मोके से बाजी ड्रॉ खेली और कुल 5 अंको के साथ सयुंक्त पहले स्थान पर रहे ऐसे में विजेता का निर्धारण करने के लिए दोनों के बीच दो ब्लिट्ज टाईब्रेक के मुकाबले खेले गए जिसमें 1.5-0.5 के अंतर से अलीरेजा नें जीत दर्ज की । इस जीत के साथ अलीरेजा नें ग्रांड चैस टूर वर्ष 2022 का ओवरऑल खिताब भी अपने नाम कर लिया । नेपोमिन्सी सिंकिफील्ड कप में उपविजेता रहे तो 4.5 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर यूएसए के वेसली सो तीसरे तो फबियानों कारुआना चौंथे स्थान पर रहे ।

ऋषभ अगर असफल भी होते हैं तो उन्हें बाहर न करें: गिलक्रिस्ट

सिडनी (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज रहे एडम गिलक्रिस्ट ने कहा है कि अगर ऋषभ पंत कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन न करें तो भी उन्हें भारतीय टीम में बनाये रखा जाना चाहिये। गिलक्रिस्ट ने यह बात चयनकर्ताओं से कही है। गिलक्रिस्ट ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपनी बल्लेबाजी से कभी भी मैच बदल देते हैं। इसलिए मैं भारतीय टीम के प्रबंधन और चयनकर्ताओं से अनुरोध किया है कि उनके खिलाफ नरम रुख बनाये रखें। गौरतलब है कि गिलक्रिस्ट ने अपने आक्रामक रवैये से एकदिवसीय क्रिकेट में क्रांति ला दी थी। वर्तमान समय में ऋषभ के अलावा पाक विकेटकीपर बल्लेबाज मो रिजवान और इंग्लैंड के जोस बटलर भी शानदार खेल रहे हैं पर जब किसी को म गिलक्रिस्ट की तरह का माना जाता है तो उसमें ऋषभ सबसे आगे रहते हैं।

क्रिकेटर नहीं होते तो सेना में होते भुवनेश्वर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार सिंह के अनुसार अगर वह क्रिकेटर नहीं होते तो सेना में जाते क्योंकि परिवार के कई लोगों के सेना में होने के कारण बचपन में वह सेना में जाना चाहते थे पर समय के साथ ही क्रिकेट में रुची जगी और उसके बाद से ही वह क्रिकेट के होकर रह गये। उसके बाद से ही वह आगे बढ़ते चले गये। भुवनेश्वर ने हाल में में एशिया कप में केवल चार ओवर में पांच विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। वह यजुवेंद्र चहल को पीछे छोड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। इसके अलावा एक से ज्यादा बार पांच विकेट लेने वाले भी वह पहले भारतीय गेंदबाज हैं।

भुवनेश्वर ने 22 साल की उम्र में टी20 टीम में चुने जाने का श्रेय अपने माता-पिता के साथ-साथ ही अपनी बड़ी बहन को भी दिया है। भुवी के अनुसार उनके घरवाले शुरू में उनके क्रिकेट खेलने के खिलाफ थे। उनका मानना था कि पढ़-लिखकर ही जीवन में आगे बढ़ने के मौके हासिल होते हैं, लिहाजा उन्हें पढ़ाई को पूरा समय देने के बाद ही क्रिकेट खेलने की इजाजत थी।

स्मिथ का शतक, ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड का सूपड़ा साफ करके फिंच को विदाई दी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की शतकीय पारी से ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में रविवार को यहां 25 रन से हराकर कप्तान आरोन फिंच को जीत के साथ विदाई दी। स्मिथ ने 131 गेंदों पर 105 रन बनाए जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने मार्नस लाबुशेन (52) के साथ तीसरे विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी करके टीम को शुरुआती झटकों से उतारा। स्मिथ ने एलेक्स कैरी (नाबाद 42) के साथ भी 69 रन की भागीदारी की। इससे आस्ट्रेलिया ने पांच विकेट पर 267 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 49.5 ओवर में 242 रन पर आउट हो गई। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला 30 से जीती। फिंच ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि यह उनका आखिरी वनडे होगा और इसके बाद वह इस प्रारूप से संन्यास ले लेंगे। वह हालांकि टी20 में कप्तान बने रहेंगे और ऑस्ट्रेलिया उनकी अगुवाई में ही अगले माह से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में भाग लेगा। न्यूजीलैंड का कोई भी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाया। उसकी तरफ से ग्लेन फिलिप्स ने सर्वाधिक 47 रन बनाए।

निचले क्रम में जेम्स नीशाम ने 36 और मिशेल सैंटनर ने 30 रन का योगदान दिया लेकिन इससे न्यूजीलैंड हार का अंतर ही कम कर पाया। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों में फिन एलन (35), डेवोन कॉनवे (21) और कप्तान केन विलियमसन (27) अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिशेल स्टार्क ने तीन जबकि कैमरन ग्रीन और सीन एबॉट ने दो-दो विकेट लिए। इससे पहले फिंच अपने आखिरी वनडे में टॉस नहीं जीत पाए और इसके बाद उनकी खराब फॉर्म भी जारी रही जिसके कारण उन्होंने इस मैच से पहले ही संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी।

वह पांच रन बनाकर तेज गेंदबाज टिम साउदी (57रन देकर एक विकेट) की गेंद पर बोल्ड हो गए लेकिन इससे पहले ट्रेंट बोल्ट (25 रन देकर दो विकेट) ने जोश इंगलिस (10) के रूप में न्यूजीलैंड को पहला विकेट दिलाया था। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर एक समय दो विकेट पर 16 रन था। स्मिथ और लाबुशेन ने यहां से बखूबी जिम्मेदारी संभाली और शतकीय साझेदारी निभाई। लॉकी फर्गुसन ने लाबुशेन को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी। इसके बाद स्मिथ ने सैंटनर की गेंद पर बोल्ड होने से पहले वनडे में अपना 12वां शतक पूरा किया। यह पिछले दो साल में इस प्रारूप में उनका पहला शतक है। ग्लेन मैक्सवेल ने आठ गेंदों पर 14 और कैमरन ग्रीन ने 12 गेंदों पर नाबाद 25 रन का योगदान दिया।

प्रो लीग: श्रीजेश बोले- विश्व कप से पहले स्पेन के खिलाफ खुद को आंकने का मौका मिलेगा

बेंगलुरू । अनुभवी भारतीय हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को लगता है कि स्पेन के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के शुरूआती दो मैच अगले साल की शुरुआत में भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले विश्व कप से पहले 'मॉक टेस्ट' होंगे जिसमें टीम को खुद को आंकने का मौका मिलेगा। भारत अगले साल 13 से 29 जनवरी तक पुरुष विश्व कप की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से पहले भारत भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में आगामी एफआईएच प्रो लीग 2022-23 के अपने पहले मुकाबले में 30 अक्टूबर और छह नवंबर को दुनिया की आठवें नंबर की टीम स्पेन की मेजबानी करेगा।

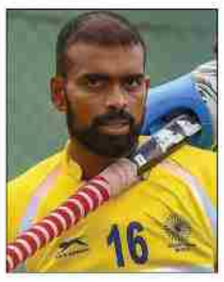

श्रीजेश ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, 'एफआईएच हॉकी प्रो लीग हमारे लिए सबसे अच्छा मंच है क्योंकि हमें कुछ शीर्ष टीम के खिलाफ खेलने का मौका मिलता है। स्वदेश में होने वाले आगामी मुकाबले हमारे लिए मॉक टेस्ट की तरह होंगे, यह हमें वास्तविक चुनौतियों में मदद करेगा जिनका हम जनवरी 2023 में सामना करेंगे।' उन्होंने कहा, 'यह हमें युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय हॉकी खेलने का अनुभव प्रदान करने में भी मदद करेगा। यह हमारे लिए एक शानदार अवसर है क्योंकि यह हमें विश्व कप के लिए लय बनाने में मदद करेगा।' भारत को अगले साल होने वाले विश्व कप में मुश्किल पूल डी में रखा गया है और श्रीजेश को शुरुआती चरण में अपने विरोधियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिलने की उम्मीद है। दुनिया की पांचवें नंबर की टीम भारत को इंग्लैंड (विश्व रैंकिंग छह), स्पेन (विश्व रैंकिंग आठ) और वेल्स के साथ रखा गया है। भारत ने इस साल के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 4-4 से ड्रॉ खेला और वेल्स को 4-1 से हराया। श्रीजेश ने कहा, 'यह एक दिलचस्प पूल है। इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स तीनों वास्तव में अच्छी टीमें हैं। हाल ही मे बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में इंग्लैंड और वेल्स से खेलने के बाद मुझे लगता है कि यह एक कठिन प्रतियोगिता होगी।' उन्होंने कहा, 'लेकिन हमें अभी इसके बारे में सोचने की ज़रूरत नहीं है। हम कदम दर कदम आगे बढ़ रहे हैं और राष्ट्रीय शिविर में अपने खेल पर काम कर रहे हैं। हम बहुत उत्साहित हैं और खेलने के लिए उत्सुक हैं। स्वदेश में लगातार दूसरी बार विश्व कप खेलने को लेकर उत्साहित हैं।' इस 34 वर्षीय गोलकीपर को एफआईएच के साल के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है और उन्होंने इस सम्मान के लिए अपने साथियों को श्रेय दिया।

राजपक्षे ने एशिया कप खिताब को संकट का सामना कर रहे देशवासियों को समर्पित किया

दुबई। (एजेंसी)।

श्रीलंका की एशिया कप में खिताबी जीत के हीरो रहे भानुका राजपक्षे ने इस खिताब को संकट का सामना कर रहे अपने देश को समर्पित किया है। श्रीलंका ने रविवार रात खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान को 23 रन से हराकर 2014 के बाद एशिया कप का खिताब जीता जो उनका कुल मिलाकर छठा खिताब है। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 58 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे लेकिन राजपक्षे (45 गेंद में 71 रन) और वानिंदु हसरंगा (21 गेंद में 36 रन) की बदौलत टीम शानदार वापसी करते हुए छह विकेट पर 170 रन बनाने में सफल रही।

राजपक्षे ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''कुछ दशक पहले हम हमेशा दुनिया को दिखाना चाहते थे कि हमारे पास आक्रामकता है और हम चाहते थे कि एक टीम के रूप में हम दोबारा उन लम्हों को पैदा करें।'' उन्होंने कहा, ''आगे बढ़ते हुए हम विश्व कप से पहले इस लय को बनाए रखना चाहते हैं। स्वदेश में संकट के हालात को देखते हुए यह श्रीलंका के सभी लोगों के लिए एक कठिन समय है लेकिन आशा है कि हम अपने लोगों के चेहरों पर कुछ मुस्कान ला पाए हैं।''

राजपक्षे ने मुस्कुराते हुए कहा, ''यह पूरे देश के लिए है वे इतने लंबे समय से इसका इंतजार कर रहे थे।'' देश में सबसे खराब आर्थिक संकट और राजनीतिक अशांति की पृष्ठभूमि में श्रीलंका ने एशिया कप खिताब जीता। राजपक्षे के साथ मौजूदा श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने टूर्नामेंट के पहले मैच में अफगानिस्तान से हारने के बावजूद पूरे टूर्नामेंट में इतना अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अपने साथियों की प्रशंसा की। शनाका ने कहा, ''उस पहली हार के बाद हमने गंभीर चर्चा की। हम जानते थे कि हमारे पास प्रतिभा है लेकिन यह खेल परिदृश्यों में उन्हें लागू करने के बारे में था और सभी खिलाड़ियों ने योगदान दिया।यह एक ऐसा माहौल है जिसे हमने एक टीम और कोचिंग स्टाफ के रूप में बनाया है और अब इसका फायदा मिल रहा है।'' श्रीलंकाई कप्तान के पास खिताब जीतने के बाद स्वदेश में प्रशंसकों के लिए संदेश भी है। शनाका ने कहा, ''हमारे क्रिकेटरों पर विश्वास करें। बहुत सारी बुरी चीजें हो रही हैं। क्रिकेटर के रूप में उन्हें भी अपने जीवन का आनंद लेना चाहिए न कि बुरी चीजें फैलाना। उनका भी निजी जीवन है।

विश्वास रखें, यही कुंजी है। एक कप्तान के रूप में मैं खिलाड़ियों को विश्वास दिलाता हूं (जो भी) मैं कर सकता हूं, मैं उससे ज्यादा खिलाड़ियों से मांग नहीं करता।'' शनाका ने कहा कि एशिया कप जीत लंबे समय से बदलाव के दौर से गुजर रहे श्रीलंका क्रिकेट के लिए आने वाली बड़ी चीजों की तरफ एक कदम हो सकता है। उन्होंने कहा, ''यहां तक कि दो-तीन साल पहले भी टीम अच्छी क्रिकेट खेलती थी लेकिन जीत नहीं मिल रही थी। यह हमारे क्रिकेट में बदलाव हो सकता है। ये खिलाड़ी पांच-छह साल तक खेलना जारी रख सकते हैं जो एक बहुत अच्छा संकेत भी है।''

श्रीलंका के कप्तान ने कहा, ''विश्व कप क्वालीफायर से भी मदद मिलेगी क्योंकि यह हमें मुख्य टूर्नामेंट होने से पहले उन परिस्थितियों में खेलने का मौका देगा। यह वास्तव में हमारे लिए अच्छा अवसर होगा'' मनोबल बढ़ाने वाले एशिया कप खिताब के बाद शनाका ने कहा कि यही टीम भविष्य में बड़ी सफलता हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा, ''जब भारत-पाकिस्तान की बात आती है तो हम जानते हैं कि यह एक अलग खेल है। हमारा क्रिकेट इतिहास भी अच्छा है इसलिए हमें यह साबित करने की जरूरत नहीं है कि हमारी टीम अच्छी है।

भारतीय रेसर जेहान दारुवाला ने एफ2 में हासिल की सत्र की पहली जीत

मोंजा (इटली)। भारत के जेहान दारुवाला ने शानदार शानदार कौशल दिखाते हुए रविवार को यहां एफटू (फॉर्मूला टू) के फीचर रेस (मुख्य रेस) में सत्र की अपनी पहली जीत दर्ज की। जेहान अपनी टीम प्रेमा रेसिंग के घरेलू सर्किट पर इससे पहले स्प्रिंट रेस में तीसरे स्थान पर रहे थे। इस सर्किट पर उन्होंने छठी बार पोडियम (शीर्ष तीन में स्थान) हासिल किया है। एफटू की मौजूदा सत्र की शुरुआत में तालिका में शीर्ष तीन में रहे जेहान पिछले कुछ रेस में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद काफी नीचे खिसक गए थे।

शिबू सोरेन को अदालत से बड़ी राहत, आय से अधिक संपत्ति मामले में लोकपाल में सुनवाई पर लगी रोक

रांची, 12 सितम्बर (एजेंसी)। आय से अधिक संपत्ति से जुड़े मामले में झारखंड मुक्ति मोर्चा के सुप्रीमो और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन को अदालत से बड़ी राहत मिली है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ भारत के लोकपाल की ओर से शुरू की गयी कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगा दी है। सोरेन ने इस कार्यवाही को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस यशवंत वर्मा की कोर्ट ने सोमवार को शिबू सोरेन की याचिका पर सुनवाई करते हुए विभिन्न पक्षों को नोटिस जारी किया है। सोरेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, अरुणाभ चौधरी और अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल ने पक्ष रखा।

बता दें कि शिबू सोरेन और उनके परिजनों के नाम पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत लोकपाल के समक्ष दो वर्ष पूर्व 5 अगस्त 2020 को ही दायर की गयी थी। इसमें कहा गया था था कि सोरेन और उनके परिजनों ने झारखंड के सरकारी खजाने का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार से अर्जित राशि से अनेक संपत्तियां बनायी हैं। इनमें कई बेनामी आवासीय और कमर्शियल परिसंपत्तियां भी हैं।

इस शिकायत पर सुनवाई करते हुए लोकपाल की फुल बेंच ने 15 सितंबर, 2020 को सीबीआई को लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 की धारा 20 (1) (ए) के तहत मामले में पीई (प्रीलिमिनरी इन्क्वायरी) दर्ज कर छह महीने में रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया था। सीबीआई ने मामले की जांच के बाद मार्च 2021 और उसके बाद 1 जुलाई 2021 को सोरेन परिवार की संपत्ति का पूरा ब्यौरा और उनके आयकर रिटर्न पर लोकपाल को रिपोर्ट सौंपी थी। इसके आधार पर लोकपाल ने शिबू सोरेन और परिवार के सदस्यों को नोटिस भेजकर उनका पक्ष मांगा था। इसके बाद सोरेन परिवार के सदस्यों से मिले जवाब के आलोक में सीबीआई ने अंतिम पीई रिपोर्ट बीते 29 जून को लोकपाल के यहां दाखिल की। इसमें सीबीआई की ओर से कहा गया है कि सोरेन और परिवार के सदस्यों ने आय के ज्ञात और घोषित स्रोत से ज्यादा कई बेनामी संपत्तियां बनाई हैं। लोकपाल ने अपने आदेश में कहा था कि सीबीआई की विस्तृत रिपोर्ट के अवलोकन के आधार पर यह पाया गया है कि इस मामले में धारा 20(3) के अंतर्गत प्रोसिडिंग शुरू की जानी चाहिए।

इस सिलसिले में शिबू सोरेन को लोकपाल की ओर से नोटिस जारी किया गया था।

हिमंत सरमा ने बताई जिहाद की 'परिभाषा', बोले– पिछले 10 वर्षों में असम में 114 'जिहादी' पकड़े गए

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि पिछले 10 वर्षों में राज्य के विभिन्न हिस्सों से कुल 114 'जिहादियों' को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि केवल इस साल 40 जिहादी पकड़े गए। असम विधानसभा में कांग्रेस विधायक शर्मन अली अहमद के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सरमा ने कहा कि 114 'जिहादियों' में से 65 प्रतिबंधित आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के सदस्य थे और नौ हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) से थे।

मुख्यमंत्री ने भाजपा विधायक तेराश गोवाला को एक अलग जवाब में बताया कि इस सूची में अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के 40 कैडर भी शामिल हैं, जिन्हें इस साल मार्च से गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा, '114 कैडरों में से, 23 गिरफ्तार लोगों के मामले जांच के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को ट्रांसफर कर दिए गए थे। शेष 91 लोगों में से, 54 के मामले अभी भी जांच के लिए लंबित हैं, जबकि शेष 37 मामलों में आरोप पत्र दायर किए गए थे और उन पर मुकदमा चल रहा है।'

विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया के एक अलग सवाल में, सरमा ने कहा कि 2016 में राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से कथित 'जिहादी गतिविधियों' के लिए 84 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों में गिरफ्तार किए गए लोगों में से 10 मदरसों से जुड़े थे और उन्होंने मस्जिदों, मदरसों और अन्य धार्मिक सभाओं में व्याख्यान देकर लोगों को प्रभावित करने की कोशिश की।

सरमा ने कहा, 'उन्होंने जिहाद से संबंधित किताबें भी वितरित की थीं और एक दूसरे के साथ संपर्क बनाए रखने के लिए ओमेमो और ब्लैबर जैसे मैसेजिंग ऐप का इस्तेमाल किया। अब तक, ऐसे मामलों में कोई भी व्यक्ति नहीं मारा गया है।'

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में बारपेटा, बोंगाईगांव, मोरीगांव, धुबरी और गोलपारा जिलों को जिहादी गतिविधियों के केंद्र के रूप में पहचाना गया है। सरमा ने सदन को बताया, 'विदेशी नागरिक जिहादी गतिविधियों में शामिल हैं। ऐसे देशों में बांग्लादेश सबसे प्रमुख है।'

उन्होंने कहा कि इस साल गिरफ्तार किए गए 40 लोगों में से दो मोरीगांव और धुबरी जिलों की रहने वाली महिलाएं हैं। जिहादी की परिभाषा के बारे में पूछे जाने पर सरमा ने कहा, 'एक कट्टरपंथी समूह का सदस्य जो हथियारों के इस्तेमाल से आतंकवाद का समर्थन करता है उसे जिहादी कहा जाता है।' उन्होंने कहा, 'इस्लाम के विरोधियों के खिलाफ मुस्लिम कट्टरपंथी संगठनों द्वारा युद्ध छेड़ना, यह कहना कि धर्म खतरे में है, यह सब जिहाद कहलाता है। ऐसे कट्टरपंथी समूहों के सदस्यों को जिहादी कहा जाता है।'

किसानों के हित और जनता की बात पर हम केसीआर का करेंगे समर्थन : कुमारस्वामी

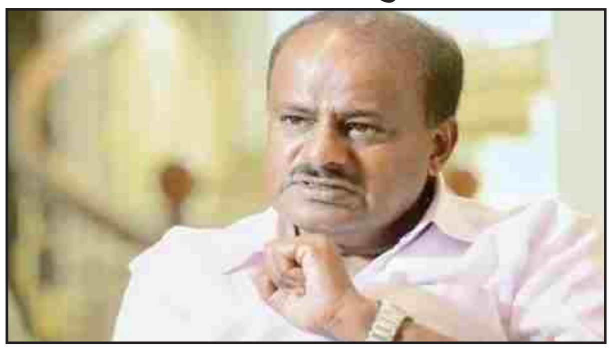

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (एजेंसी)। जनता दल (सेक्युलर) नेता एच. डी. कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर लोगों और किसानों की आवाज बनने के तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव के प्रयास को सहयोग देने का आश्वासन दिया है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने एक दिन पहले ही हैदराबाद में तेलंगाना के मुख्यमंत्री राव से मुलाकात की थी। राव ने रविवार को ही घोषणा की कि वह समाज के विभिन्न वर्गों के साथ और अधिक चर्चा करने के बाद वह एक राष्ट्रीय पार्टी का गठन करेंगे।

कुमारस्वामी ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, 'यह तीसरे मोर्चे का सवाल नहीं है, इस देश के मुद्दों के समाधान के संबंध में राव के अपने विचार हैं। हमने कल लगभग तीन घंटे चर्चा की थी। किसान समुदाय और देश के साथ प्रमुख शहरों के बारे में उनकी अपनी अवधारणा है तथा राष्ट्रीय स्तर पर उसे लागू करने के बारे में उनकी अपनी सोच है।' उन्होंने कहा कि राव ने अपने प्रयास में जद (एस) से सहयोग मांगा है।

पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा के पुत्र कुमारस्वामी ने कहा, 'एक छोटी पार्टी के रूप में हम जो अनुभव साझा करते हैं, उनके आधार पर, मैंने किसानों और देश के लोगों के मुद्दों के लिए हर प्रकार से सहयोग देने और उनके साथ हाथ मिलाने का आश्वासन दिया है।' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस का एक राष्ट्रीय विकल्प मुहैया करने की कोशिश कर रहे राव ने कहा था कि टीआरएस विभिन्न हितधारकों के साथ चर्चा जारी रख कर वैकल्पिक राष्ट्रीय एजेंडे'' पर आम सहमति पर पहुंचेगी।

गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई के ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (एजेंसी)। कुख्यात गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई, काला जठेड़ी, अन्य से जुड़े ठिकानों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की छापेमारी जारी है। एनआईए दिल्ली, एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में लगभग 60 जगहों पर रेड कर रही है।

संपर्क करने पर एनआईए के अधिकारी ने मामले में कुछ भी बोलने से इनकार किया।

एनआईए बिश्नोई, कपिल सांगवान और नीरज बवाना जैसे बड़े गैंगस्टरों और उनके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एनआईए को गैंगस्टरों के नेटवर्क को खत्म करने का आदेश दिया है।

हाल ही में एनआईए ने एक फाइल तैयार की और दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान समेत उत्तर प्रदेश के गैंगस्टरों को अपने निशाने पर रखा।

एनआईए ने एनसीआर स्थित गैंगस्टरों के पूरे नेटवर्क को खत्म करने की योजना बनाई थी। एनआईए की सूची में करीब दस से बारह गैंगस्टरों के नाम है, जिनके खिलाफ कार्रवाई का फैसला किया गया है।

नीरज बवाना और लॉरेंस बिश्नोई क्राइम वर्ल्ड के कट्टर दुश्मन हैं। पंजाबी सिंगर सिद्धू सिंह मूसेवाला की हत्या के बाद बवाना ने कहा था कि वे जवाबी कार्रवाई करेंगे।

राष्ट्रीय राजधानी में गैंग के सरगनाओं ने अपने अपराध सिंडिकेट को चलाने के लिए दो 'महागठबंधन' बनाए हैं। वे अपने नेटवर्क का विस्तार करने की कोशिश कर रहे हैं।

गैंगस्टरों के महागठबंधन में ग्रुप ए नीरज बवाना का है। सूत्र ने कहा, नीरज बवाना के महागठबंधन में सौरभ उर्फ गौरव, सुवेंष सिंह उर्फ सिब्बू, शुभम बलियान, राकेश उर्फ राका, इरफान उर्फ छेनू, रवि गंगवाल और रोहित चौधरी और दविंदर बंबिहा हैं।

वहीं लॉरेंस बिश्नोई के गठबंधन में संदीप उर्फ काला जठेड़ी, कपिल सांगवान उर्फ नंदू, रोहित मोई, दीपक बॉक्सर, प्रिंस तेवतिया, राजेश बवानिया और गैंगस्टर अशोक प्रधान हैं।

गैंगस्टरों के महागठबंधन ने कई राज्यों में कहर बरपा रखा है और वे गैंगवार में भी लिप्त हैं।

गृह मंत्रालय उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहा है। नई दिल्ली में स्पेशल सेल, एनआईए अधिकारियों और आईबी अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में कहा गया कि गिरोह आतंकवादी संगठनों की तरह काम कर रहे हैं, जिससे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह नाखुश हैं। इसलिए एनआईए को इस मुद्दे को देखने और यदि संभव हो तो उनकी गतिविधियों को रोकने के लिए नए मामले दर्ज करने का निर्देश दिया जाता है।

एनआईए ने मंजूरी मिलने के बाद इन गैंगस्टरों के नेटवर्क को खत्म करने की तैयारी कर ली है।

7 साल पुराने केस में आप के 2 विधायक दोषी करार, 21 को होगी सजा

नई दिल्ली, 12 सितम्बर (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने 7 साल पुराने एक मामले में भीड़ का हिस्सा बनकर पुलिस कर्मियों पर हमला करने के जुर्म में आम आदमी पार्टी (आप) के दो विधायकों को आज दोषी करार दिया है। कोर्ट ने 'आप' के विधायक अखिलेश पति त्रिपाठी व संजीव झा को गैरकानूनी तरीके से एकत्रित भीड़ का हिस्सा होने और पुलिस बल पर हमला करने के लिए उकसाने का दोषी ठहराया है। विधायकों की सजा पर 21 सितंबर को अदालत में सुनवाई होगी। यह मामला वर्ष 2015 में बुराड़ी पुलिस स्टेशन पर हमले से जुड़ा है।

राउज एवेन्यू कोर्ट स्थित अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट वैभव मेहता की अदालत ने मॉडल टाउन सीट से विधायक अखिलेश पति त्रिपाठी एवं बुराड़ी से विधायक संजीव झा को दोषी ठहराते हुए कहा कि ये दोनों विधायक पुलिस को सबक सिखाना चाहते थे। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि ये दोनों विधायक ना केवल भीड़ का हिस्सा थे, बल्कि भीड़ को उकसा रहे थे।

अदालत ने कहा कि चश्मदीद गवाहों के बयानों के मुताबिक, वह इस तरह का बल प्रदर्शन कर पुलिस को डराने का प्रयास कर रहे थे। अदालत ने इन दो विधायकों के साथ ही 15 अन्य लोगों को भी दोषी करार दिया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 20 फरवरी 2015 को 'आप' विधायक भीड़ के साथ बुराड़ी पुलिस स्टेशन पहुंचे। वहां उन्होंने कई पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी की। उनका आरोप था कि पुलिस अहपरहण के मामले में कार्रवाई नहीं कर रही है। भीड़ पुलिस से मांग कर रही थी कि आरोपियों को उनके सुपुर्द कर दिया जाए। पुलिस द्वारा आरोपियों को ना सौंपे जाने की बात कहे जाने पर विधायकों के नेतृत्व वाली भीड़ थाने पर हमला बोल दिया।

इस मामले की सुनवाई के दौरान 'आप' विधायकों के वकील ने कहा कि जिस प्रदर्शन को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया, वह शांतिपूर्ण था। बचाव पक्ष के वकील का कहना था कि उनके मुवक्किल विधायक भीड़ को शांत करने वहां पहुंचे थे। अपनी इस दलील को लेकर विधायकों की तरफ से 14 बचाव के गवाह पेश किए गए। इन गवाहों का कहना था कि पुलिस स्टेशन पर हमले से पहले ही विधायक वहां से चले गए थे, जबकि अदालत ने बचाव पक्ष की इन दलीलों एवं गवाहों के बयानों को खारिज करते हुए कहा कि बचाव पक्ष के गवाहों के बयानों में विरोधाभास था।

अदालत ने यह भी कहा कि संजीव झा के बयानों में भी विरोधाभास पाया गया। अदालत ने यह भी आरोपी विधायक द्वारा व बचाव पक्ष के गवाहों द्वारा दिए गए बयानों में सबसे बड़ा विरोधाभास समय को लेकर था। विधायक ने घटनास्थल से जाने का जो समय बताया, उसके उलट गवाहों ने दूसरा समय बताया।

अदालत ने पूरे मामले पर सुनवाई करते हुए पाया कि पुलिस ने आरोपी विधायक झा व त्रिपाठी पर आरोप साबित करने में सफलता पाई। पुलिस ने यह प्रमाणित कर दिया कि घटना के समय दोनों विधायक वहां मौजूद थे। यहां तक की भीड़ को भड़काने में भी उनकी अहम भूमिका थी।

अदालत ने दोनों विधायकों के अलावा बलराम झा, श्याम गोपाल गुप्ता, किशोर कुमार, ललित मिश्रा, जगदीश चन्द्र जोशी, नरेंद्र सिंह राव, नीरज पाठक, राजू मलिक, अशोक कुमार, रवि प्रकाश झा, इस्माइल इस्लाम, मनोज कुमार, विजय प्रताप सिंह, हीरा देवी व यशवंत को भी दोषी ठहराया है। हालांकि, इसके अलावा दस आरोपियों को बरी किया है।

अदालत ने इसम मामले में सरकारी संपति को नुकसान पहुंचाने व आपराधिक साजिश के आरोपों को खारिज कर दिया है। अदालत ने 'आप' विधायकों और और अन्य को दंगा फैलाने, सरकारी कर्मचारी के काम में बाधा डालने, सरकारी कर्मचारी को चोट पहुंचाने और गैरकानूनी तरीके से एकत्रित होने के लिए दोषी पाया है।

टीकाकरण पर जिला टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

गेजिंग, 12 सितम्बर। गेजिंग जिला प्रशासन द्वारा आज राब्देंत्से डीएसी में डीसी श्रीमती यिशे डी. योंगदा की अध्यक्षता में टीकाकरण पर पहले वार्षिक जिला टास्क फोर्स की बैठक की गयी। इस अवसर पर गेजिंग सीईओ, डीआरसीएचओ (डीएचजी), गेजिंग बीडीओ, डीटीओ एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बैठक में बच्चों एवं किशोरों के नेशनल डि-वॉर्मिंग डे प्रोग्राम, किशोरों के कोविड टीकाकरण, पोषण अभियान एवं माह और स्कूलों में स्वास्थ्य व वेलनेस गतिविधियों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई।

इस दौरान डीआरसीएचओ की डॉ. पत्रिका राई ने एजेंडे के अनुसार प्रस्तुति देते हुए बताया कि कोविड के बाद जिले में वर्ष में दो बार इस बैठक का आयोजन किया जा रहा है।

वहीं इस दौरान डॉ. राई ने स्कूलों में स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तथा बच्चों के स्वास्थ्य निगरानी हेतु दूत के तौर पर शिक्षकों एवं सम्बंधित स्वास्थ्य केंद्रों में किशोर स्वास्थ्य दिवस के आयोजन में आशा व आंगनबाड़ी कर्मियों के महत्व पर प्रकाश डाला।

वहीं डीसी ने इस दौरान अभियान की मजबूती तथा इसे प्रभावी बनाने हेतु कई सूचनाएं एवं सुझाव पेश किये। उसके बाद उन्होंने जिले में कोविड टीकाकरण की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी हासिल की। इसके अलावा उन्होंने अभियान के तहत जारी गतिविधियों की जानकारी लेने के बावजूद डाटा संग्रह में सठिकता बरतने की बात कही।

शहर में बाढ़ के बाद जागी कर्नाटक सरकार, बेंगलुरु में तोड़फोड़ शुरु

बेंगलुरु, 12 सितम्बर (एजेंसी)। बेंगलुरु नगर निकाय ने शहर के कुछ हिस्सों में कुछ दिन पहले बारिश से आई भीषण बाढ़ के बाद सोमवार को एक तोड़फोड़ अभियान शुरू किया। वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि अतिक्रमण रोधी अभियान व्यापक पैमाने पर चलाया जाएगा। बीते दिनों भारी बारिश के बाद बेंगलुरु के कई इलाके पानी में डूब गए थे। बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) की एक टीम ने आठ स्थानों पर यह अभियान चलाया जो कथित तौर पर महादेवपुरा क्षेत्र के बेलंदूर और उसके आसपास बाढ़ का कारण बन रहे थे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, बीबीएमपी ने महादेवपुरा क्षेत्र में कम से कम 10 स्थानों की पहचान की, जो वर्षा जल के प्रवाह को रोक रहे थे। सूत्रों के अनुसार इसमें एक प्रमुख निजी स्कूल का एक भवन, खेल का मैदान और उद्यान शामिल था जहां जल निकासी नाले का अतिक्रमण किया गया था।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों के सामने अगली चुनौती स्कूल के ठीक बगल में स्थित एक अपार्टमेंट को गिराने की है। बीबीएमपी के एक अधिकारी ने कहा, ''अपार्टमेंट के निवासियों को इसे खाली करने के लिए नोटिस दिए गए हैं। हम उनकी प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'' मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि हाल ही में भारी बारिश के बाद बेंगलुरु में बाढ़ के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार कहे जाने वाले नालों के कथित अतिक्रमण को हटाने के अभियान में कोई पक्षपात नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''मैंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि जिस किसी ने भी बरसाती नालों पर ढांचों का निर्माण किया है और बारिश के पानी के बहाव को बाधित किया है, उसे हटाया जाए। यह मैंने पहले ही दिन बहुत स्पष्ट कर दिया था।''

बोम्मई ने कहा, ''इस मुद्दे पर किसी भी तरह के पक्षपात का कोई सवाल ही नहीं है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या बड़ी कंपनियां बरसाती नालों का अतिक्रमण करती पाई गईं, बोम्मई ने कहा, ''वे जो भी हैं, हम उन्हें नहीं बख्शेंगे। बाढ़ के दौरान सभी को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।''

बोम्मई ने कहा कि निचले इलाकों के मकानों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि सभी अतिक्रमण हटाने का काम पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अतिक्रमण हटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जो अभियान शुरू हुआ है, वह रुकेगा नहीं। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार अदालत में एक 'कैविएट' दाखिल करेगी, बोम्मई ने कहा कि उसने अदालत से निर्देश हासिल किए हैं। उन्होंने कहा, ''साथ ही, हम सारी जानकारी अदालतों को देंगे। इस बार हम बड़े पैमाने पर अतिक्रमण रोधी अभियान चलाएंगे।

इस बीच, आउटर रिंग रोड कंपनीज एसोसिएशन (ओआरआरसीए) ने कहा कि उन्होंने आम दिन की तरह सोमवार को अपने कार्यालय शुरू कर दिए क्योंकि सड़कों या कार्यालयों में जलजमाव नहीं था एक हफ्ते पहले बेंगलुरु में बाढ़ के दिन, ओआरआरसीए ने दावा किया था कि आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) और बैंकिंग कंपनियों को एक ही दिन में लगभग 225 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ क्योंकि कर्मचारी सड़कों पर फंस गए थे और वे कार्यालय से या घर से काम नहीं कर पा रहे थे।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
दार्जिलिंग निवासी ने
₹1करोड़ जीते

1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर 82K 39972 है। "डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि के तौर पर एक करोड़ रुपए जीतने की जानकारी मिलने के बाद मैं काफी उत्साहित महसूस कर रही हूं। मैं एक मध्यमवर्गीय परिवार से आती हूं। मैंने एक बड़ी पुरस्कार राशि जीत ली है और यह मेरी सारी आर्थिक समस्याओं का समाधान कर देगी। मेरे परिवार के सभी सदस्यों ने मुझे एक करोड़पति बनाने के लिए नागालैंड स्टेट लॉटरीज और डियर लॉटरी को धन्यवाद दिया है। हम इस पुरस्कार राशि का अपने जीवन को और सुरक्षित बनाने हेतु निवेश करेंगे।" विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाए जाते हैं।

दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल की नीति अग्रवाल ने 07.08.2022 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com